प्रेरणास्त्रोतः स्व. डॉ. एलसी वालिया

@haryanavatika www.haryanavatika.in @haryanavatika @haryanavatika

हरियाणा वाटिका

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

लोहारू से प्रकाशित सोच बिल्कुल निष्पक्ष

RNI No-HARHIN/2019/79021 वर्ष : 06, अंक: 225 पृष्ठ: 08, मूल्य: रू. 1.00 गुरूवार, 19 जून 2025 haryanavatika@gmail.com +91-9255149495

पाकिस्तान की गोली का जवाब हम गोले से देंगे

भारत ने ना मध्यस्थता स्वीकारी थी, ना स्वीकारेंगे: पीएम मोदी

ऑपरेशन सिंदूर पर मोदी-ट्रम्प की फोन पर 35 मिनट बात, सीजफायर पाक के कहने पर हुआ: मोदी

9-10 मई की रात को पाकिस्तान के हमले का भारत ने सशक्त जवाब दिया और पाकिस्तान को सेना को बहुत नुकसान पहुंचा। उसके मिलिट्री एयरबेस को इनऑपरेबल (फ्लाइट संचालन न होने योग्य) बना दिया। भारत के मुंहतोड़ जवाब के चलते पाकिस्तान को सैन्य कार्रवाई रोकने का आग्रह करना पड़ा।

'सैन्य कार्रवाई रोकने की बात सीधे भारत-पाकिस्तान के बीच हुई थी'

विदेश सचिव ने बताया कि पीएम मोदी ने राष्ट्रपति ट्रम्प को स्पष्ट रूप से कहा था कि इस पूरे घटनाक्रम के दौरान कभी भी किसी भी स्तर पर भारत-अमेरिका ट्रेड डील या अमेरिका की तरफ से भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता जैसे विषयों पर बात नहीं हुई थी। सैन्य कार्रवाई रोकने की बात सीधे भारत और पाकिस्तान के बीच दोनों सेनाओं के एग्जिस्टिंग चैनल्स (मौजूदा अफसरों) के माध्यम से हुई थी और पाकिस्तान के आग्रह पर ही हुई थी।

'मोदी-ट्रम्प जल्द मिलने की कोशिश करेंगे'

विदेश सचिव ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने पीएम मोदी से पूछा कि क्या आप कनाडा से वापसी में अमेरिका रुककर जा सकते हैं? पहले से तय कार्यक्रमों के कारण पीएम मोदी ने इससे असमर्थता जताई। दोनों लीडर्स ने तब तय किया कि वे निकट भविष्य में मिलने का प्रयास करें। विक्रम मिसरी ने अंत में बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प और पीएम मोदी ने इजराइल-ईरान में चल रहे संघर्ष पर भी चर्चा की।

नई दिल्ली/हरियाणा वाटिका एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से फोन पर बातचीत की, जो लगभग 35 मिनट तक चली। बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने राष्ट्रपति ट्रम्प को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान ढट मोदी ने स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े किसी भी विषय में व्यापार से संबंधित कोई चर्चा नहीं हुई। उन्होंने दोहराया कि पाकिस्तान के कहने पर ही भारत ने सीजफायर किया था। भारत कभी किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं करता और आगे भी नहीं करेगा।

साथ ही, पीएम मोदी ने यह भी जोर देकर कहा कि अब भारत आतंकवाद की घटनाओं को प्रॉक्सी वॉर (परदे के पीछे की लड़ाई) नहीं, बल्कि सीधे युद्ध की कार्रवाई के रूप में देखेगा। भारत का ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है। विदेश सचिव ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने पीएम मोदी की तरफ से विस्तार में बताई गई बातों को समझा और आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के प्रति समर्थन जताया।

'पाक ने सैन्य कार्रवाई रोकने की अपील की थी'

विदेश सचिव मिसरी ने ये बताया कि 9 मई की रात को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पीएम मोदी को फोन किया था। वेंस ने कहा था कि पाकिस्तान, भारत पर बड़ा हमला कर सकता है। पीएम मोदी ने उन्हें साफ शब्दों में बताया था कि यदि ऐसा होता है तो भारत, पाकिस्तान को उससे भी बड़ा जवाब देगा। भारत के एक्शन बहुत ही मेजर्ड (नपे-तुले), प्रिसाइज (सटीक) और नॉन-एस्केलेटरी थे।

'भारत ने पाक में सिर्फ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया'

विदेश सचिव मिसरी ने ये भी बताया कि पीएम मोदी ने ट्रम्प को यह स्पष्ट रूप से कहा कि 22 अप्रैल के बाद भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने का अपना दृढ़ संकल्प पूरी दुनिया को बता दिया था। भारत ने 6-7 मई की रात को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में सिर्फ आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया था।

आतंकवाद के खिलाफ सहयोग में काम करेंगे: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि हम प्रौद्योगिकी, एआइ, ऊर्जा सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ सहयोग में काम करेंगे।" बैठक के बारे में विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि, "बैठक में रिश्तों की अहमियत पर बात हुई है। दोनों देशों में काफी कुछ समान्य है। पीएम मोदी ने रिश्तों को सामान्य बनाने पर खास तौर पर जोर दिया। स्वच्छ ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, डिजिडल इंफ्रास्ट्रक्चर, एआइ, बहुमूल्य धातुओं और सप्लाई चेन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात हुई। दोनों नेताओं ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया है कि स्थगित कारोबारी वार्ता को शीघ्र शुरू किया जाए।"

जी7 में होनी थी मोदी-ट्रम्प की मुलाकात, लेकिन हुई नहीं

पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प की मुलाकात जी7 के इतर होनी तय थी, लेकिन ट्रम्प को 17 जून को जी7 छोड़कर अमेरिका लौटना पड़ा। इस कारण ये मुलाकात नहीं हो सकी। इसके बाद ट्रम्प के कहने पर दोनों नेताओं की फोन पर बात हुई। बातचीत करीब 35 मिनट चली। 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद राष्ट्रपति ट्रम्प ने फोन पर पीएम मोदी से शोक संवेदना जताई थी और आतंक के खिलाफ समर्थन जताया था। इसके बाद दोनों नेताओं 18 जून को यह पहली बातचीत थी। इसलिए पीएम मोदी ने राष्ट्रपति ट्रम्प ने ऑपरेशन सिंदूर पर विस्तार से बात की।

संभल हिंसा: सपा सांसद समेत 23 के खिलाफ चार्जशीट

संभल में सपा सांसद बर्क ने दंगा भड़काया विधायक के बेटे ने सीओ पर गोली चलवाई थी

संभल हिंसा मामले में सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बुधवार को पुलिस ने 1100 पन्नों की चार्जशीट चंदौसी MP/MLA कोर्ट में दाखिल की है। पुलिस ने सांसद बर्क और सपा विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहैल इकबाल समेत 23 आरोपियों को हिंसा भड़काने का नामजद आरोपी बनाया है। पुलिस ने 700-800 अज्ञात को भी आरोपी बनाया है। 24 नवंबर, 2024 को जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा भड़की थी। हिंसा में चार मुस्लिम

युवकों की जान चली गई थी। एसपी, सीओ और डिप्टी कलेक्टर समेत 29 पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

सांसद ने हिंसा भड़काई, विधायक के बेटे ने गोली चलवाई सांसद बर्क पर आरोप है कि उन्होंने भड़काऊ भाषण देकर भीड़ को उकसाया। उन्होंने मस्जिद सदर जफर अली को 23 नवंबर की रात फोन करके कहा था, 'कौम हम पर ही थूकेगी। सर्वे किसी भी सूरत में नहीं होना चाहिए। भीड़ इकट्ठा करो।'

दंगाइयों को उकसाकर सीओ पर गोली चलवाई थी

शहर विधायक नवाब इकबाल महमूद के बेटे सुहैल इकबाल ने दंगाइयों को उकसाकर सीओ पर गोली चलवाई थी। इस मामले में पुलिस ने कोतवाली संभल में केस दर्ज कराया था। पुलिस ने इस मामले में जामा मस्जिद के सदर जफर अली एडवोकेट सहित कुल 90 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। सांसद बर्क से एसआईटी ने 8 अप्रैल को संभल के थाना नखासा में करीब चार घंटे पूछताछ की। इससे पहले 25 मार्च को रक्ष के इंस्पेक्टर अमरीश कुमार ने दिल्ली जाकर सांसद के आवास पर पूछताछ का नोटिस दिया था। दरोगा दीपक राठी ने सांसद जियाउर्रहमान बर्क और सुहैल इकबाल पर एफआईआर दर्ज कराई थी।

हिंदी के लिए पार्वती तिर्की को साहित्य अकादमी का युवा पुरस्कार

नई दिल्ली: साहित्य अकादमी ने बुधवार को वर्ष 2025 के लिए युवा पुरस्कार और बाल साहित्य पुरस्कार की घोषणा की। अकादमी के कार्यकारी मंडल ने 23 युवा लेखकों की पुस्तकों एवं 24 बाल साहित्यकारों के लिए पुरस्कार 2025 अनुमोदित किए। इन पुस्तकों को तीन सदस्यीय निर्णायक मंडल ने निर्धारित चयन प्रक्रिया का पालन करते हुए पुरस्कार के लिए चुना। डोगरी भाषा का युवा पुरस्कार बाद में घोषित किया जाएगा। साहित्य अकादमी ने एक बयान में बताया कि दोनों पुरस्कारों के लिए एक उत्कीर्ण ताम्रफलक तथा 50 हजार रुपये की सम्मान राशि बाद में आयोजित होने वाले एक विशेष समारोह में प्रदान किए जाएंगे। हिंदी के लिए युवा पुरस्कार पार्वती तिर्की के कविता-संग्रह फिर उगना को प्रदान किया गया है।

भारत-कनाडा के संबंधों पर जमी बर्फ पिघली

नई दिल्ली/हरियाणा वाटिका एजेंसी

भारत और कनाडा के रिश्तों पर पिछले डेढ़ वर्ष से भी ज्यादा वक्त से जमीं बर्फ सोमवार को दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच हुई हुई मुलाकात में पिछल गई। अलबर्टा (कनाडा) में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन में विशेष मेहमान के तौर पर आमंत्रित पीएम नरेन्द्र मोदी और कनाडा के पीएम मार्के कार्नी के बीच तकरीबन 40 मिनट बैठक चली। इसमें सबसे पहले इस बात पर सहमति बनी कि दोनों देशों की राजधानी में उच्चायुक्तों की जल्द से जल्द नियुक्ति की जाएगी। इसके बाद उच्चायोग में राजनयिकों की संख्या बढ़ाने व अपने अपने उच्चायोगों के काम काज को सामान्य बनाया जाएगा।

साथ ही मुक्त कारोबार समझौते (एफटीए) पर थमी बातचीत भी शुरू करने की सहमति बनी। मोदी और कार्नी के बीच आपसी सहयोग के दूसरे अन्य सभी मुद्दों पर भी बात हुई है।

कार्नी के साथ पीएम मोदी की मुलाकात

कार्नी के साथ मुलाकात में पीएम मोदी ने कहा कि, "भारत के लिए कनाडा के साथ संबंध बहुत महत्वपूर्ण है। हम दोनों मिल कर लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत बनाने का का करेंगे। मानवता के लिए काम करेंगे। हम अनेक क्षेत्रों में प्रगति करेंगे।" कार्नी ने कहा कि, "हमें पीएम मोदी का स्वागत करते हुए गर्व है। हम प्रौद्योगिकी, एआइ, ऊर्जा सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ सहयोग में काम करेंगे।"

मोदी चरण में क्रोएशिया पहुंचे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीन देशों की यात्रा के अंतिम चरण में बुधवार को क्रोएशिया पहुंचे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की क्रोएशिया की पहली यात्रा के रूप में आपसी हितों के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग के लिए नए रास्ते खोलेगी। प्रधानमंत्री 15-19 जून तक साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया की यात्रा पर हैं। इस दौरे के अंतिम चरण में क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविच के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री 18 जून को क्रोएशिया की आधिकारिक यात्रा पर पहुंच गए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पोस्ट में कहा, भारत-क्रोएशिया संबंधों में ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी क्रोएशिया के जाग्रेब पहुंचे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की क्रोएशिया की पहली यात्रा है। एक विशेष सम्मान के रूप में प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविच ने हवाई अड्डे पर औपचारिक स्वागत किया।

बैठक के बारे में विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि, "बैठक में भारत व कनाडा के रिश्तों की अहमियत पर बात हुई है। दोनों देशों में काफी कुछ समान्य है।

कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड की 82वीं बैठक आज राज्यपाल एवं बोर्ड अध्यक्ष बंडारू दत्तात्रेय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई

कुरुक्षेत्र में चलेंगी इलेक्ट्रिक बस, महाभारत की थीम पर बनेंगे गेट और चौक: बंडारू

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर को वैश्विक स्तर पर पहचान मिले, इसके लिए लगातार सरकार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड की 82वीं बैठक आज राज्यपाल एवं बोर्ड अध्यक्ष बंडारू दत्तात्रेय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी बतौर उपाध्यक्ष शामिल हुए। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री विपुल गोयल भी उपस्थित रहे। राज्यपाल एवं बोर्ड अध्यक्ष श्री बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि देशभर में कुरुक्षेत्र की विस्तृत पहचान बने,

हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय हरियाणा राज भवन चंडीगढ़ में कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के प्रबंधक मण्डल की 82वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए। साथ में हैं मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज व अन्य वरिष्ठ अधिकारी। (18.06.2025)

इसके लिए सभी को मिलजुल कर प्रयास करने होंगे। कुरुक्षेत्र का एक बड़ा धार्मिक महत्व है, ऐसे में एक भव्य अध्यात्मिक नगरी के रुप में इसके विस्तार को लेकर हमारी परिकल्पना होनी चाहिए। इसके बोर्ड में देश भर के विद्वान एवं प्रतिष्ठित लोगों को जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि 48 कोस के अंतर्गत आने वाले तीर्थ स्थलों को लेकर साल में कम से कम 48 उत्सव इन गांवों में मनाने चाहिए। इनमें जनप्रतिनिधियों की भागीदारी के साथ साथ जिन गांवों में ये तीर्थ स्थल है, उनकी सहभागिता भी जोड़ी जाए। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर को वैश्विक स्तर पर पहचान मिले। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था की जाएं कि अगर कोई यहां आएं तो उसे एहसास हो कि वो उस पवित्र धरा पर आया हैं जो महाभारत के इतिहास से जुड़ी है। इसके लिए यहां पर धार्मिक और पर्यटन के नजरिये से हमें पर्यटकों के लिए आधुनिक व्यवस्थाएं करनी होगीं। बैठक के दौरान बोर्ड के पदाधिकारियों और अधिकारियों के समक्ष कुरुक्षेत्र के विकास के पहलुओं को लेकर चर्चा हुई, जिसमें सफाई व्यवस्था, सरोवर के रख रखाव, नवीनीकरण और ट्रांसपोर्टेशन की व्यवस्था करने के साथ साथ मेला एरिया में विकास को लेकर चर्चा हुई है। बैठक में अलग अलग स्थानों पर चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की गई, साथ ही प्रोजेक्ट्स में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए।

महाभारत की थीम आएगी नजर

बैठक में धर्मनगरी कुरुक्षेत्र के समग्र विकास को लेकर कई पहलुओं पर चर्चा हुई है। खास तौर पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र में चौक और प्रवेश द्वार को चिन्हित करने के निर्देश भी दिए है। इन्हें महाभारत की थीम का रुप दिया जाएगा। ज्योतिसर की तरफ से आने वाले रास्ते पर लगे सुदर्शन चक्र को भी दोबारा बनाया जाएगा। जिसमें लाइटिंग करने के साथ साथ भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा भी स्थापित होगी। साथ ही बैठक में ब्रहमसरोवर के प्रवेश द्वार के नाम भी तय करने बारे चर्चा हुई। ज्योतिसर तीर्थ परिसर के आस-पास ग्रीनरी की व्यवस्था करने के भी संबंधित विभाग को निर्देश दिए गए है। इसके अलावा पूरे शहर के पेंटिंग और रेलवे ब्रिज के नजदीक भी श्लोक इत्यादि लिखने बारे भी बैठक में चर्चा हुई है।

एल.पी.जी.आई. साहित्या एसोसिएशन (रजि.) ने किया अपने 150वें अंतर्राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
चंडीगढ़, 18 जून। एल.पी.जी.आई. साहित्या एसोसिएशन (रजि.) द्वारा अंतर्राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह एल.पी.जी.आई.एस.ए. का शतकीय 150 वां जी.जी.एम. (ग्लोबल गैदरिंग मीट) था । इस अंतर्राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में दुनिया भर से जाने माने कवियों ने शिरकत की।

एल.पी.जी.आई. साहित्या एसोसिएशन (रजि.) के संस्थापक और ग्लोबल चेयरमैन आशीष शर्मा और संस्थापिका और ग्लोबल प्रेसिडेंट योगिता शर्मा ने सभी का स्वागत किया और शुभकामनाएँ दीं। मेदान इंडोनेशिया में भारत के प्रधान कौंसल रवि शंकर गोयल मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने आशीष और योगिता के साहित्य के प्रति प्रेम और योगदान की प्रशंसा की और सभी कवियों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने सभी कवियों की सराहना की और एल.पी.जी.आई.एस.ए को दुनिया भर के कवियों को एक सूत्र में बांधने के लिए सराहा। टेन न्यूज नेटवर्क भारत के संस्थापक गजानन माली एवं वरिष्ठ एवं प्रसिद्ध कवि प्रेम विज गेस्ट ऑफ ऑनर रहे। उन्होंने संस्था को 150 वें एपिसोड की मुबारकबाद दी और सभी कवियों का प्रोत्साहन किया। जाने माने कवि डॉ. विनोद शर्मा ने

शुभकामना संदेश भेजा। कार्यक्रम का सफल संचालन इंडोनेशिया से कवयित्री मीनाक्षी गुप्ता ने बड़े शानदार अंदाज में किया। मीनाक्षी संस्था की ग्लोबल वाईस प्रेसिडेंट जी.जी.एम मॉनीटरिंग हैं। विशेष वक्तव्य रीजनल प्रेसिडेंट ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड रीजन सुमन जैन ने और धन्यवाद प्रस्ताव ग्लोबल वाईस प्रेसिडेंट फाइनेंस सुरेश चौधरी द्वारा प्रस्तुत किया गया। ग्लोबल वी.पी. एडवाइजरी मीनू संयोग एवं ग्लोबल वी.पी. मीडिया सपोर्ट वैशाली रस्तोगी भी कार्यक्रम में मौजूद रहीं।

दुनिया भर से जाने-माने कवि इस सम्मेलन में शामिल हुए। इस गोष्ठी में रवि शंकर गोयल (मुख्य अतिथि-इंडोनेशिया), गजानन माली, प्रेम विज, डॉ. लखबीर सिंह 'निर्दोष', मंजू महिमा, डॉ.श्रीलता, सरोज व्यास, शेखर कुमार झा, सारनया शर्मा (भारत),
आशीष शर्मा,योगिता शर्मा, मीनू संयोग, मीनाक्षी गांधी गुप्ता, वैशाली रस्तौगी, सुरेश चौधरी, लीना शारदा (इंडोनेशिया), अनिल कुलश्रेष्ठ, डॉ.स्मिता सिंह (सिंगापुर), सुमन जैन,अंजना मजूमदार, उर्मिला मिश्रा (ऑस्ट्रेलिया), डॉ. कृष्ण कन्हैया, सुषमा सुदेरा (यू.के.) और कमलेश रवीशंकर रावल (यू.ए.ई.) ने अपने विचार रखे, शुभ कामनाएँ दीं और अपनी बेहतरीन रचनाओं से काव्य-व्योम को सजा दिया। कार्यक्रम के लिए पोस्टर और विडियो ऑस्ट्रेलिया से अभिलक्ष शर्मा, वेदिका गुप्ता और काव्या गुप्ता ने तैयार किए। सर्टिफिकेट, ग्लोबल सर्टिफिकेट कोऔडीनेटर सुनीता महेंद्रू द्वारा तैयार किए गए।

पीएम मोदी के नेतृत्व में 11 सालों में हुए ऐतिहासिक कार्य : सुभाष चंद्र

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया
करनाल/नीलोखेड़ी, 18 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर निगदू मंडल के जाम्बा गांव में एक सम्मेलन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र ने सरकार की उपलब्धियों को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में 11 सालों में ऐतिहासिक कार्य हुए है। उन्होंने केंद्र सरकार की अब तक की उपलब्धियों को देश के लिए ऐतिहासिक एवं दिशा निर्धारक बताया और कार्यकताओं का आह्वान किया कि वे सरकार की जनहितकारी नीतियों को घर-घर तक पहुंचाएं।

वाईस चेयरमैन सुभाष चंद्र ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने बीते 11 वर्षों में अभूतपूर्व तरक्की की है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के सिद्धांत पर चलते हुए गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं और समाज के हर वर्ग के लिए योजनाएं चलाई, जिनका लाभ सीधा अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश के आर्थिक विकास के लिए अच्छी सडकों का होना बहुत जरूरी है। आज मोदी सरकार में राष्ट्रीय राजमार्गों की स्थिति सुधरी है और लोगों का आवागमन बढ़ा है जिससे रोजगार और व्यापार में वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा कि सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के इन 11 वर्षों में विकास की बयार चली है, जिससे भारत के विकसित बनने की राह प्रशस्त हुई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को भारत के पुनर्जागरण का सूत्रधार बताया। उन्होंने कहा कि बीते 11 वर्षों में भारत ने न सिर्फ विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ, बल्कि आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भी ऐतिहासिक कदम उठाए। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले भारत केवल शांति की बात करता था, लेकिन अब अगर कोई देश आतंकवाद के जरिए भारत को चुनौती देता है, तो सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसे सशक्त जवाब मिलते हैं। यह परिवर्तन प्रधानमंत्री मोदी की निर्णायक और साहसी नीतियों के कारण संभव हुआ है।

इस अवसर पर भाजपा नेता राजेन्द्र चौधरी ने कहा कि गरीबी उन्मूलन, युवाओं को अवसर, किसानों की समृद्धि और महिलाओं के सम्मान के क्षेत्र में जो कार्य हुए हैं, वे ऐतिहासिक हैं। भारत की वैश्विक छवि और प्रभाव जिस गति से बढ़े हैं, वह अभूतपूर्व है।

इस अवसर पर भाजपा नेता राजेन्द्र दादुपुर, उपाध्यक्ष रजनी परोचा, कर्म सिंह, कर्मवीर शर्मा, राजपाल, पवन शर्मा, शिवेंद्र सेतिया, मलखान, सुनीता तेहरी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जितेंद्र सागडी युवा कांग्रेस हल्का रादौर अध्यक्ष हुए नियुक्त

हरियाणा वाटिका/नीतीश जोगी
रादौर,18 जून। कांग्रेस पार्टी की ओर से जितेंद्र नरवाल सागडी को हल्का युवा कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जितेंद्र नरवाल को युवा कांग्रेस हल्का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर कांग्रेसी कार्यकताओं ने प्रसन्नता व्यक्त की है। नवनियुक्त युवा कांग्रेस हल्का अध्यक्ष जितेंद्र नरवाल ने अपनी नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदयभानु, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान, पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा, दीपेंद्र हुड्डा सांसद, पूर्व प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष दीवांशु बुद्धिराजा, विधायक अशोक अरोड़ा का हार्दिक आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि पार्टी की ओर से उन्हें जो जिम्मेवारी दी गई है, वह उसे पूरी निष्ठा व लग्न के साथ निभायेंगे। उनकी प्राथमिकता अधिक से अधिक युवाओं को कांग्रेस पार्टी के साथ जोडकर संगठन को मजबूत बनाना होगी। वह पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने के लिए कार्य करेंगे।

राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता के लिए 20 जून को होगा ट्रायल

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
सोनीपत, 18 जून। जिला खेल अधिकारी मनोज कुमार ने बताया की पंचकुला में राज्य स्तरीय पुरूष तथा महिला बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन 27 जनू से 29 जून तक किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन 10 वजन श्रेणी में किया जाएगा। महिला/पुरूष वर्ग में प्रथत, द्वितीय व तृतीय आने वाले खिलाडियों को क्रमशः पॉच हजार, तीन हजार व दो हजार का नकद ईनाम दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सेदारी के लिए सोनीपत के प्रभु नगर, गली नम्बर एक नजदीक स्टेट बैंक एटीएम के पास स्थित नवयुग बॉक्सिंग कल्ब, में 20 जून को दोपहर एक बजे ट्रायल का आयोजन किया जाएगा। जो भी खिलाडी ट्रायल में हिस्सा लेने चाहते है, वो अपने साथ आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र का सबूत व रिहायसी प्रमाण पत्र या स्कूल से प्राप्त बोनाफाइड प्रमाण पत्र साथ लेकर आए।

कनीना के उप-प्रधान पद के लिए चुनाव 20 को

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
कनीना, 18 जून। नगरपालिका कनीना के उप-प्रधान पद के चुनाव के लिए 20 जून की तिथि निर्धारित की गई है।

यह जानकारी देते हुए एसडीएम कनीना डा. जितेंद्र सिंह ने बताया कि नगर पालिका कनीना के नवनियुक्त प्रतिनिधियों को 25 मार्च को पंचकूला में शपथ दिलाई गई थी लेकिन किसी प्रतिनिधि ने इस दौरान शपथ ना ली हो तो उनको 20 जून को नगर पालिका कार्यालय कनीना में शपथ दिलाई जाएगी। चुनाव में भाग लेने के लिए उम्मीदवार एक प्रस्तावक तथा एक समर्थक सहित अपना नामांकन भर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि 20 जून को दोपहर 1 बजे नगर पालिका कनीना में उप प्रधान पद के चुनाव के संबंध में बैठक का आयोजन किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में योग मैराथन आज

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
नारनौल, 18 जून। आईटीआई प्रांगण से 19 जून को सुबह 6:00 बजे जिला महेंद्रगढ़ के सैकड़ों नागरिक जन-जन तक योग का संदेश पहुंचाने के लिए एक साथ दोड़ेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पूर्व मंत्री एवं नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव तथा महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव मौजूद रहेंगे। इससे पहले यह कार्यक्रम 15 जून को होना था लेकिन किन्हीं प्रशासनिक कार्यों के कारण इसे अब 19 जून को आयोजित किया जा रहा है।

यह जानकारी देते हुए उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने बताया कि हरियाणा योग आयोग तथा आयुष विभाग के दिशा निर्देश अनुसार "योग युक्त, नशा मुक्त हरियाणा" अभियान के तहत अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के उपलक्ष में जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ द्वारा आगामी 15 जून को आईटीआई नारनौल से नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम तक योग मैराथन का आयोजन किया जाएगा।

राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता के लिए ट्रायल्स 23 जून को कर्ण स्टेडियम में

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया
करनाल, 18 जून। उपनिदेशक खेल राकेश पांडे ने बताया कि महानिदेशक खेल विभाग हरियाणा के निदेर्शानुसार राज्य स्तरीय बॉक्सिंग (महिला एवं पुरुष) प्रतियोगिता का आयोजन 27 जून से 29 जून 2025 तक जिला पंचकूला में किया जाएगा, प्रतियोगिता के लिए खिलाडि?ों का चयन ट्रायल्स के आधार पर किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि करनाल जिले के इच्छुक खिलाडि?ों के लिए जिला स्तरीय चयन ट्रायल्स का आयोजन 23 जून को प्रातः 9 बजे स्थानीय कर्ण स्टेडियम में किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए जिला खेल कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

योग भारत की अमूल्य धरोहर है: डॉ. अमित पुंज

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया
करनाल, 18 जून। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. सतपाल ने बताया कि आयुष विभाग के महानिदेशक संजीव वर्मा के निदेर्शानुसार तथा उपायुक्त उत्तम सिंह के मार्गदर्शन में तथा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की जिला नोडल अधिकारी एवं नगराधीश मोनिका के दिशा निर्देशन में जिला में 11 वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस को सफलतापूर्वक मनाने व हरित योग अभियान तथा योग युक्त नशा मुक्त हरियाणा के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आयुष विभाग के योग विशेषज्ञ डॉ अमित पुंज ने बताया कि बुधवार को आयुष विभाग तथा हमारा मिशन स्वस्थ भारत के संयुक्त तत्वाधान में जिला कारागार में योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण का अभ्यास का अयोजन किया गया।

जिला कारागार जेल अधीक्षक लखबीर सिंह बराड़ की अध्यक्षता ह्मे तथा डीएसपी चरण सिंह, डीएसपी शैलाक्षी भारद्वाज व डीएसपी विवेक सांगवान की देखरख में जिला में 31 से 21 जून 2025 तक आयुष विभाग द्वारा विशेष योग शिविर लगाया जा रहा है। जिसमे 850 कैदियों ने भाग लिया। योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण में हमारा मिशन स्वस्थ भारत के संस्थापक नवीन संदूजा, जेपी पसरिचा कमल चोपड़ा, मीनाक्षी मित्तल , कविता चैहान ,कविता चैधरी एवं आयुष विभाग से आयुष योग सहायक सोनू गीता एवं कुसुम रानी ने पुरुष व महिला कैदियों को योगाभ्यास करवाया।

लोहारू, बहल, सिवानी और ढिगावा मंडी में यूथ पदों पर पूर्व विधायक सोमवीर सिंह के समर्थकों ने मारी बाजी

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
लोहारू, 18 जून। अखिल भारतीय युवा कांग्रेस के प्रदेश से लेकर खंड स्तर के चुनावों का सोमवार शाम को परिणाम जारी किया गया है जिसमें भिवानी जिले से जिला स्तर व सभी हल्का अध्यक्ष व खंड अध्यक्ष पदों पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा समर्थक पूर्व विधायक सोमवीर सिंह के नजदीकियों ने बाजी मारी है। अध्यक्ष सूची जारी होते ही उनके समर्थकों ने चयनित पदाधिकारियों को बधाई दी तथा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, पूर्व विधायक सोमवीर सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र हुड्डा, कांग्रेस प्रदेश प्रभारी बीके हरिप्रसाद, सांसद दीपेंद्र हुड्डा का आभार जताया है।

जानकारी देते हुए एडवोकेट करण सिंह गोठड़ा ने बताया कि यूथ कांग्रेस के चुनाव में लोहारू, बहल, सिवानी और ढिगावा मंडी में पूर्व विधायक चौधरी सोमवीर सिंह के समर्थकों ने जीत हासिल की है जिसमें प्रदेश महासचिव योगेश फोगाट, जिला महासचिव सुमित श्योराण, जिला उपाध्यक्ष मंजू कुमारी, विधानसभा उपाध्यक्ष मोनिका श्योराण, विधानसभा उपाध्यक्ष नवीन श्योराण गोपालवास, बहल ब्लॉक अध्यक्ष संदीप लाखलान, ब्लॉक अध्यक्ष सिवानी प्रमोद उर्फ रणधीर गुढ़ा, ढिगावा मंडी उपाध्यक्ष राहुल श्योराण ने जीत हासिल की। इस मौके पर पूर्व विधायक व वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सोमवीर सिंह ने युवा कांग्रेस के सभी सभी पदाधिकारियों का मुंह मीठा करवा कर बधाई देते हुए कहा कि देश व प्रदेश सरकार ने अच्छे दिन लाने के नाम पर युवाओं से छलावा किया है। प्रदेश में ना तो देश व प्रदेश से बेरोजगारी दूर हो पाई है वहीं चयनित युवाओं को बार बार सूचि में बदलाव कर स्थाई रोजगार से अस्थाई कर्मचारी के रुप में रखने का दावा किया जा रहा है जो न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने अखिल भारतीय युवा कांग्रेस की कार्यकारिणी में नवचयनित युवा कांग्रेस जिला भिवानी जिला, हलका और खंड लोहारू के सभी नवचयनित पदाधिकारियों को बधाई दी। इस अवसर पर कांग्रेसी नेता एडवोकेट दरिया सिंह, पूर्व अध्यक्ष शक्ति गाडा, प्रधान जयवीर गोपालवास, प्रदीप आदि उपस्थित रहे।

हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन ने ली योग व सामाजिक संस्थाओं की बैठक

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 18 जून। राज्य स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025, जिसका भव्य आयोजन महाकुंभ के रूप में कुरुक्षेत्र के ब्रह्म सरोवर परिसर में 21 जून को किया जाना है, उसमें प्रशासन को सहयोग देने हेतु योग से जुड़ी व समाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों संग एक बैठक कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड कार्यालय परिसर में स्थित मीडिया सेंटर पर हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डॉ जयदीप आर्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक का शुभारम्भ आयोग के वरिष्ठ सदस्य डॉ मनीश कुकरेजा द्वारा सभी का अभिनंदन कर के किया गया। चेयरमैन डॉ जयदीप आर्य ने सभी संस्थाओं को इस आयोजन में अधिक से अधिक सहभागिता के लिये प्रेरित किया व अपने स्वयंसेवी

कार्यकताओं की सूची हेतु कहा। सभी ने अपनी संस्था की संभावित उपस्थिति संख्या व सेवाभावी कार्यकताओं की संख्या निर्धारित कर नोट करवा दी। सभी को विशेष दायित्व निर्वाह करने के निर्देश चेयरमैन द्वारा दिए गए। साधकों को निश्चित स्थान पर बैठाने व अन्य व्यवस्थाओं हेतु प्रत्येक सैक्टर में 5-6 कार्यकताओं की ड्यूटी लगाई जाएगी। बैठक में आयोग के रजिस्ट्रार डॉ राज कुमार, जिला योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संवर्धन कमेटी के सचिव गुलशन ग्रोवर, जिला संघ कार्यवाह संजय कौशिक, बाल्मीकि सभा से स्वामी संगम नाथ, भारतीय योग संस्थान के प्रांतीय प्रधान ओम प्रकाश, महिला पतञ्जलि योग समिति की सोशल मीडीया प्रभारी प्रो. निरुपमा भट्टी, सेवानिवृत नेवी अधिकारी राज कुमार, सूबेदार मेजर रविन्द्र कौशिक, फ्लाइट लेफ्टिनेंट कर्मबीर सिंह, विद्या भारती से चेत राम शर्मा, मानव उत्थान सेवा समिति से कर्मवीर शर्मा, डॉ सुमन चौधरी, कृष्णा, भाबू, यूथ रेड क्रॉस से पायल व आयोग के स्टाफ सदस्य प्रियंका, अनुज, नीरज व हरदीश उपस्थित रहे। शांति पाठ के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

अवैध खनन के खिलाफ चेकिंग अभियान निरंतर जारी : निरंजन लाल

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया
करनाल, 18 जून। जिला खनन अधिकारी निरंजन लाल ने बताया कि महानिदेशक केएम पांडुरंग और उपायुक्त उत्तम सिंह के निदेर्शों के तहत जिला प्रशासन द्वारा अवैध खनन पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए जांच अभियान जारी है। इसी कड़ी में गत दिवस खनन विभाग और हरियाणा राज्य एनफोर्समेंट ब्यूरो की संयुक्त टीम में शामिल एसआई जितेंद्र, एएसआई संदीप व नवीन द्वारा चैकिंग के दौरान जी.टी. रोड चढ़दी कलां ढाबा, गढ़ी मुल्तान के पास रेत से भरे दो ट्रकों को रोका गया। उक्त दोनों वाहनों के वैध ई-रवाना बिल नहीं पाए जाने पर इन वाहनों को जब्त कर खनन विभाग की टीम द्वारा मधुबन थाने में खड़ा किया गया है। इसी प्रकार अवैध खनन की सूचना मिलने पर थाना सदर के स्टाफ में एसएचओ तरसेम चंद, एसआई जगमोहन व एएसआई मनजीत की टीम द्वारा गांव मिरगैन मेरठ रोड पर रेत से भरी एक ट्रैक्टर ट्रॉली को चेक किया और कोई वैध ई-रवाना बिल न पाए जाने पर वाहन को थाना सदर में खनन विभाग द्वारा सीज कर दिया गया।

खनन अधिकारी निरंजन लाल ने बताया अवैध खनन की रोकथाम को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से सजग है। जिला में अवैध खनन किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जाएगा और ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। अवैध खनन के खिलाफ चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा।

गुरनियाज सिंह संधू बने एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 18 जून। एनएसयूआई की ओर से गुरनियाज सिंह संधू को प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया है। इससे कांग्रेस कार्यकताओं में खुशी का माहौल है। गुरनियाज संधू, स्व. डॉ. सुरजीत सिंह संधू के पौत्र हैं। इनके पिता सतविंदर सिंह संधू टिम्मी युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश महासचिव पद पर रहते हुए कई राज्यों में चुनाव प्रभारी के तौर पर भी लंबे समय तक काम कर चुके हैं। पिता सतविंदर सिंह संधू टिम्मी पिछले लगभग 30 साल से हल्के की राजनीति में कांग्रेस की ओर से सक्रिय हैं। एनएसयूआई में छात्र नेता के तौर पर दशकों पहले करियर की शुरूआत करने के बाद 2014, 2019 और 2024 के चुनाव में पूरे जोर शोर के साथ कांग्रेस प्रत्याशियों की सूची में सतविंदर सिंह संधू टिम्मी का नाम चर्चा में रहा। मगर किसी कारणवश उन्हें मौका नहीं मिल पाया। अब पिता के साथ मिल कर आमजन और कार्यकताओं की आवाज को उठाने के लिए पुत्र गुरनियाज सिंह ने राजनीति में कदम बढ़ाया है। परिवार के करीबी महिंद्र कालड़ा ने बताया कि गुरनियाज डीपीएस स्कूल से अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद आगे की स्टडी के लिए कनाडा गया और अब यहीं लौट कर अपनी लॉ की पढ़ाई पूरी कर रहे है। उन्होंने बताया कि जल्दी कार्यकताओं की ओर से उनका अभिनंदन किया जाएगा।

पूर्व मंत्री ने भगवान परशुराम कॉलेज को दी आर्थिक सहायता

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 18 जून। पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सुभाष सुधा ने भगवान परशुराम कॉलेज, कुरुक्षेत्र को हरियाणा सरकार की ओर से 5 लाख रुपये की सहायता राशि का चेक प्रदान किया। यह सहायता राशि कॉलेज के शैक्षणिक विकास एवं पुस्तकालय के सुदृढ़ीकरण हेतु दी गई है। सुधा ने बताया कि उन्होंने इस राशि की घोषणा पूर्व में की थी, जिसे आज औपचारिक रूप से पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी के भविष्य निर्माण में ऐसे शिक्षण संस्थानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और सरकार का दायित्व है कि वह ऐसी संस्थाओं को हर संभव सहयोग प्रदान करे। कॉलेज के प्राचार्य एवं शिक्षकों ने सुभाष सुधा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस राशि का सदुपयोग छात्रों की सुविधा एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के विस्तार में किया जाएगा। सभी विद्यार्थियों ने शिक्षा के प्रति सुधा जी के समर्पित भाव की सराहना की।

उदयन शालिनी का द्विवार्षिक सम्मेलन संपन्न

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 18 जून। परिवर्तन का उत्सव शीर्षक से उदयन शालिनी फैलोशिप द्वारा फ्लेम यूनिवर्सिटी, पूणे में द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में देशभर के 33 चैप्टर्स से लगभग 350 शालिनियां शामिल हुईं। कुरुक्षेत्र चैप्टर से कन्वीनर डॉ. सुषमा शर्मा, को-कन्वीनर डॉ. राम निवास, एपीसी पूजा देवी और वरिष्ठ एलुमनी रजनी क्वात्रा के साथ 8 शालिनियां अलीशा, निपुर (बैच 14), पूनम (बैच 16), दिव्या, रूपाली, चाहत, शानू और निहारिका (बैच 15) ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र में फाउंडर मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ किरण मोदी व मुख्य वक्ता दर्शना, गेस्ट आफ आनर का संबोधन और रचनात्मक गतिविधियां हुईं। साथ ही, पैनल चचाओं के माध्यम से युवतियों में सामाजिक चेतना जागृत की गई। शालिनियों ने वाड़ा, तुलसी बाग मार्केट और गणपति मंदिर के दर्शन किए तथा पुणे के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को नजदीक से अनुभव किया। कोर टीम के साथ आंतरिक बैठक हुई, जिसमें मार्गदर्शन एवं योजनाओं पर चर्चा की गई। इसके पश्चात संवाद और अनुभव सांझा किए। विशेष बात यह रही कि कुरुक्षेत्र चैप्टर की एलुमनी रजनी क्वात्रा ने पैनल चर्चा में पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।

नॉर्थ इंडिया स्ट्रेंथ लिफ्टिंग चैंपियनशिप में हरियाणा के खिलाड़ियों का दबदबा

-हरियाणा की टीम पूरे उत्तर भारत में ओवर ऑल दूसरे स्थान पर रही, गणमान्य लोगों ने दी बधाई

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
लोहारू, 18 जून। विगत 13 जून से 15 जून को हिमाचल प्रदेश के कम्युनिटी सेंटर भुवाहरना पालमपुर में आयोजित नॉर्थ इंडिया स्ट्रेंथ लिफ्टिंग चैंपियनशिप में हरियाणा के खिलाडियों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। नॉर्थ इंडिया स्ट्रेंथ लिफ्टिंग चैंपियनशिप में हरियाणा की टीम पूरे उत्तर भारत में दूसरे स्थान पर रही है। कोच संदीप कड़वासरा ने बताया कि हिमाचल प्रदेश के कम्युनिटी सेंटर भुवाहरना पालमपुर में 13 से 15 जून 2025 को आयोजित हुई नॉर्थ इंडिया स्ट्रेंथ लिफ्टिंग चैंपियनशिप में हरियाणा की महिला वह पुरुष खिलाडियों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए पूरे उत्तर भारत में दूसरा स्थान हासिल किया है। हरियाणा के 30 महिला व पुरुष खिलाडियों ने हिस्सा भाग लिया था। खिलाडियों के बेहतरीन प्रदर्शन के लिए शहर के गणमान्य लोगों ने लोहारू वेटलिफ्टिंग स्पोर्ट्स अके-डमी के मुख्य कोच संदी कड़वासरा व खिलाडियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

मुख्य कोच संदीप कड़वासरा ने बताया कि स्ट्रेंथ लिफ्टिंग में दिव्यांशा लोहारू ने 46 किलोग्राम

महिला जूनियर भार वर्ग में गोल्ड मेडल हासिल किया। 65 किलोग्राम जूनियर महिला भार वर्ग में हिमांशु गांव जड़वा ने गोल्ड मेडल व चैंपियन का चैंपियन का खिताब अपने नाम किया वह भावना सिरसा ने 72 किलोग्राम जूनियर महिला भार वर्ग में खेलते हुए ब्रोंज मेडल जीता। महेंद्रगढ़ जिले के गांव जड़वा की मनीषा ने 80 किलोग्राम जूनियर भार वर्ग में खेलते हुए गोल्ड मेडल जीता व हरियाणा के पलवल जिले की योगेश चौधरी ने स्ट्रेंथ लिफ्टिंग थे इंक्लाइंड बेंच प्रेस 80 किलोग्राम महिला भार वर्ग में मास्टर कैटेगरी में खेलते हुए 2 गोल्ड मेडल जीते हैं। इंक्लाइंड बेंच प्रेस में शैली कुमारी ने 52 किलोग्राम जूनियर महिला भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीता वही रिनू भिवानी ने 58 किलोग्राम महिला जूनियर भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की है। उन्होंने बताया कि नीतू भिवानी ने 40 किलोग्राम सीनियर महिला भार वर्ग में खेलते हुए गोल्ड मेडल जीता वहीं पुरुष खिलाडियों ने भिन्न-भिन्न वर्ग में खेलते हुए 52 किलोग्राम जूनियर पुरूष भार वर्ग चिराग आर्य गोल्ड मेडल जीता। सुमित महेंद्रगढ़ ने 60 किलोग्राम जूनियर भार वर्ग में खेलते हुए गोल्ड मेडल, राहुल 60 किलो जूनियर भार वर्ग में खेलते हुए सिल्वर मेडल, संदीप फरटिया ने 76 किलोग्राम जूनियर भार वर्ग में खेलते हुए ब्रोंज मेडल, कार्तिक हिसार ने 105 किलोग्राम सीनियर भार वर्ग में सिल्वर मेडल, 95 किलोग्राम मास्टर कैटेगरी में अजब सिंह गुडगांव ने स्ट्रेंथ लिफ्टिंग और इंक्लाइंड बेंच प्रेस में 2 गोल्ड मेडल की चैंपियन का चैंपियन का टाइटल अपने नाम किया है। इसी कैटेगरी में ज्योति प्रकाश हिसार ने सिल्वर मेडल जीता साहिल भिवानी ने जूनियर 105 किलोग्राम भार वर्ग जूनियर सीनियर इंक्लाइंड बेंच प्रेस में एक गोल्ड एक सिल्वर मेडल, इंक्लाइंड बैंच प्रेस में एस भिवानी ने 76 किलो जूनियर भार वर्ग में गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। सूरज ने 95 किलोग्राम सीनियर स्ट्रेंथ लिफ्टिंग में गोल्ड मेडल पर कब्जा कियश है। नॉर्थ इंडिया चैंपियनशिप में हरियाणा टीम के मुख्य सदस्य कोच संदीप कड़वासरा कोच धर्मवीर सिंह नारनौल विजय करनाल ज्योति प्रकाश हिसार शामिल रहे है ।

इस मौके पर भारतीय स्ट्रेंथ लिफ्टिंग फेडरेशन के सचिव बाबुल विकास, ध्रुव सिंह, अजीत सिंह, हिमाचल प्रदेश स्ट्रेंथ लिफ्टिंग एसोसिएशन के सचिव व अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह भंडारी, दिल्ली पूनम तिवारी, राजधर्म मिश्रा, गोपाल कृष्ण ने सभी खिलाडियों को बधाई दी है। मैनेजर महेश श्योराण, मास्टर बलजीत सिंह आर्य, पवन स्वामी, अमित वालिया, राकेश शर्मा, डॉ. उमेद जांगिड़ आदि गणमान्य लोगों ने कोच व टीम को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

डॉ. जितेन्द्र कुमार बने एकेडमिक कांउसिल के सदस्य

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 18 जून। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार जूलोजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. जितेन्द्र कुमार को तुरन्त प्रभाव से आगामी दो वर्षो के लिए कुवि एकेडमिक कांउसिल का सदस्य बनाया गया है। यह जानकारी लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने दी।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने गठित की एंटी रैगिंग कमेटी

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 18 जून। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रशासन ने सत्र 2025-26 में रैगिंग को लेकर जीरो टॉलरेंस पालिसी अपनाते हुए सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे रैगिंग को रोकने के लिए अपने-अपने स्तर पर उचित कदम उठाएं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के निदेशानुर्सार गठित एंटी रैगिंग कमेटी की बैठक बुधवार को कमेटी रूम में कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल की अध्यक्षता में हुई। एंटी रैगिंग कमेटी ने विश्वविद्यालय एवं उससे सम्बद्ध महाविद्यालयों में रैगिंग की समस्या को रोकने के कई महत्वपूर्ण फैसले लिए व नए सत्र के शुरू होते ही रैगिंग रोकने के लिए कौन क्या करेगा उसकी जिम्मेवारियां तय की गई। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल ने कहा कि रैगिंग एक अपराध है यह प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेवारी है कि वह रैगिंग को लेकर सतर्क हों व किसी भी तरह की सूचना मिलने पर प्रशासन को तुरन्त सूचित करें। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार नए सत्र के शुरू होने से पहले रैगिंग पर अंकुश लगाने के लिए कमेटी का गठन किया गया है। रैगिंग और छात्राओं के साथ छेडखानी जैसी घटनाएं विश्वविद्यालय में किसी भी दृष्टि से सहनीय नहीं होगी। विद्यार्थी अनुशासन में रहकर अपना अध्ययन करें।

कुवि ने घोषित किए 12 परीक्षाओं के परिणाम

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 18 जून। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में परीक्षा शाखा द्वारा 12 परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने बताया कि दिसम्बर 2024 में आयोजित बी.टेक प्रथम सेमेस्टर (री-अपीयर), बी.टेक. प्रथम सेमेस्टर (केमिकल इंजीनियरिंग), एम.ए. (राजनीति विज्ञान) प्रथम सेमेस्टर (एनईपी) फ्रेश, बीटीएम तृतीय सेमेस्टर (फ्रेश) नॉन-सीबीसीएस (एनईपी), बी.एससी./बी.एड तृतीय सेमेस्टर (री) (एचकेसीएल), बी.एससी./बी.एड 5वां सेमेस्टर (री) (एचकेसीएल), बी.एससी./बी.एड 8वां सेमेस्टर (री-अपीयर) (एचकेसीएल), एमटीटीएम प्रथम सेमेस्टर (री), बी.एससी. प्रिंटिंग पैकेजिंग और टेक. तीसरा सेमेस्टर एनईपी 2022 (फ्रेश) तथा एनईपी 2023 (री-अपीयर), बी.वोक इन सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट प्रथम सेमेस्टर (फ्रेश और री-अपीयर), बी.ए. बी.एससी. 4 वर्षीय एकीकृत 5वां सेमेस्टर (एचकेसीएल) तथा बी.ए. बी.एससी. 4 वर्षीय एकीकृत 7वां सेमेस्टर (एचकेसीएल) परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए गए हैं।

हरियाणा में सामाजिक-आर्थिक बदलाव को गति दे रहा है फ्लिपकार्ट

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
पानीपत, 18 जून। उद्योग, कृषि एवं उद्यमशीलता में समृद्ध हरियाणा भारत के आर्थिक एवं लॉजिस्टिक्स परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। फ्लिपकार्ट हरियाणा के लोगों एवं संस्थानों के साथ मिलकर एक ऐसा इकोसिस्टम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां इनोवेशन, अवसर एवं सकारात्मक प्रभाव सुनिश्चित किया जा सके। फ्लिपकार्ट ने स्थानीय सेलर्स एवं एमएसएमई को सशक्त करते हुए, आजीविका के अवसर सृजित करते हुए और डिजिटल एवं फिजिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर विस्तार को गति देते हुए राज्य के विकास में योगदान दिया है। हरियाणा में फ्लिपकार्ट का प्रभाव मुख्यतः एमएसएमई सेक्टर को इसकी ओर से दिए जाने वाले समर्थन पर आधारित है। राज्य में 2.6 लाख से अधिक सेलर फ्लिपकार्ट के प्लेटफॉर्म का लाभ उठा रहे हैं। फ्लिपकार्ट ने इनके लिए पूरे देश का बाजार खोल दिया है और उन्हें अपने कारोबार को विस्तार देने में सक्षम बना रहा है। इस मजबूत नेटवर्क से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से 1.35 लाख से ज्यादा रोजगार सृजित हुए हैं। हरियाणा के प्रति अपनी गहरी प्रतिबद्धता के तहत फ्लिपकार्ट ने यहां मजबूत लॉजिस्टिक्स एवं फुलफिलमेंट नेटवर्क स्थापित किया है, जिससे लॉजिस्टिक्स ऑपरेशंस के लिए हब के रूप में राज्य की स्थिति मजबूत हुई है। इसमें फरुखनगर, रेवाड़ी, बल्लभगढ़, सांकपा व अन्य स्थानों पर कुल 51 लाख वर्ग फीट से अधिक क्षेत्र में बने 13 फुलफिलमेंट सेंटर शामिल हैं। इनसे स्थानीय सशक्तीकरण एवं अंतिम छोर तक सुगम डिलीवरी को लेकर कंपनी की प्रतिबद्धता को मजबूती मिली है।
स्थानीय कला एवं कृषि को विस्तार देने के प्रयास के तहत फ्लिपकार्ट ने हरियाणा खादी एम्पोरियम के साथ भी साझेदारी की है। इस साझेदारी के माध्यम से पारंपरिक हथकरघा एवं शिल्प को बढ़ावा दिया जा रहा है। साथ ही कृषि उत्पादों की लिस्टिंग को सुगम बनाने के लिए हैफेड के साथ साझेदारी की गई है। इनके अतिरिक्त, फ्लिपकार्ट फोकस्ड कम्युनिटी इनीशिएटिव्स के माध्यम से हरियाणा में सामाजिक समावेश एवं समुदायों के सशक्तीकरण को भी बढ़ावा दे रहा है। 2022 में गिव फाउंडेशन एवं दीपालय फाउंडेशन के साथ साझेदारी में वंचित वर्ग की महिलाओं को हर्बल साबुन बनाने का प्रशिक्षण देते हुए सतत आजीविका को बढ़ावा दिया गया था। कार्यस्थल पर समावेश और दिव्यांगों के लिए रोजगार के अवसर को बढ़ावा देने के लिए 2023 में कंपनी ने ट्रस्ट फॉर रिटेलर्स एंड रिटेल एसोसिएट्स ऑफ इंडिया के साथ मिलकर हैशटैग पंख विंग्स ऑफ डेस्टिनी लॉन्च किया था।

त्रिवेणी लगाकर मनाया 30 वां जन्मदिन, पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी की हो भागीदारी: दहिया

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
लोहारू, 18 जून। किड्स केयर प्ले स्कूल सिंघानी के संचालक रोहित दहिया ने अपने जीवन के 30 साल पूरे होने पर बाबा श्याम बगीची झुप्पा में त्रिवेणी लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बढ़ते तापमान को देखते हुए हर व्यक्ति को अपने विशेष दिन कम से कम एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण का प्रण लेना चाहिए।उन्होंने कहा कि आज जन्मदिन पर त्रिवेणी रोपण कर पर्यावरण संरक्षण में भागीदारी सुनिश्चित की है। बहुत से लोग अपने जन्मदिन को अलग अलग तरीको से मनाते है यदि पर्यावरण के प्रति गंभीर होना है तो इस विशेष दिन को पौधा लगाकर यादगार बनाया जा सकता है। उन्होंने अपील की है कि हम सभी को पर्यावरण का प्रहरी बनने के लिए आगे आने की जरूरत है। उन्होंने इस कार्य के लिए लोकराम नेहरा, रिटायर्ड अधीक्षक दर्शनानंद नेहरा को अपना मार्ग दर्शक व प्रेरणा स्रोत बताया है। इस अवसर पर लोकराम नेहरा, राम सिंह, अनिल श्योराण, राहुल, कपिल, शुभम इत्यादि मौजूद रहे।

हकृव में परीक्षाएं जारी, 153 ने दी परीक्षा

विश्वविद्यालय प्रशासन की छात्रों से अपील, अपना भविष्य दांव पर न लगाएं

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 18 जून। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 16 जून से सभी निर्धारित परीक्षाएं सुचारू रूप से प्रारंभ हो चुकी हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों के चलते अब बड़ी संख्या में विद्यार्थी परीक्षा केन्द्रों पर समय पर पहुंचकर शांतिपूर्ण वातावरण में परीक्षाएं दे रहे हैं। बुधवार को 153 विद्यार्थियों ने अपनी परीक्षा दी। इसके अतिरिक्त 11 विद्यार्थियों ने अपने-अपने थीसिस सेमिनार दिए। एमएससी व पीएचडी के 120 से अधिक विद्यार्थियों ने अपने विभागों में जाकर रिसर्च संबंधी व अन्य कार्य किए।
विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक एवं कोर्डिनेशन कमेटी के अध्यक्ष डॉ. राजबीर गर्ग ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पिछले कुछ समय से विश्वविद्यालय परिसर के माहौल को अस्थिर करने के लिए कुछ शरारती तत्वों द्वारा छात्रों को उकसाया जा रहा था। ऐसे लोग विद्यार्थियों को अपने निजी स्वार्थों की पूर्ति हेतु आंदोलन का मोहरा बना रहे थे। हालांकि अब छात्र इस सच्चाई को भलीभांति समझ चुके हैं और उन्होंने अपना ध्यान पढ़ाई और भविष्य निर्माण पर केंद्रित कर लिया है। उन्होंने बताया कि आंदोलन के नाम पर शरारती तत्वों द्वारा द्वारा हॉस्टलों में जाकर छात्रों को धमकाने एवं परीक्षा में भाग न लेने के लिए मानसिक दबाव बनाने की कोशिश हुई थी, लेकिन प्रशासन की तत्परता, छात्रों की जागरूकता और अभिभावकों के सहयोग से इन सभी प्रयासों को असफल बना दिया गया है।
विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया कि हर विद्यार्थी को परीक्षा में निर्भीकता से भाग लेने का अवसर मिले। इसके लिए कैंपस में सुरक्षा व्यवस्था को भी सुदृढ़ किया गया है। पुलिस एवं सुरक्षा कर्मी चौकस निगरानी रखे हुए हैं ताकि कोई भी अराजक तत्व परीक्षा प्रक्रिया को बाधित न कर सके। प्रशासन की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया है कि किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता, भय फैलाने या परीक्षा बाधित करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। अब तक की परीक्षा प्रक्रिया शांतिपूर्ण रही है और विद्यार्थियों में उत्साह भी देखा जा रहा है। छात्रों ने भी प्रशासन को पूरा सहयोग देते हुए परीक्षा केंद्रों पर समय से पहुंचना शुरू कर दिया है। कई छात्र-छात्राओं ने सार्वजनिक रूप से यह भी कहा कि उनका भविष्य इन अराजक आंदोलनों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन का विश्वास जताया और अन्य साथियों से भी आह्वान किया कि वे परीक्षा प्रक्रिया में पूरा सहयोग करें। सभी विभागों के डीन, डायरेक्टर एवं परीक्षा नियंत्रक नियमित रूप से परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर रहे हैं ताकि छात्रों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके अतिरिक्त, हेल्प डेस्क भी बनाए गए हैं, जहां छात्रों की समस्याओं का तुरंत समाधान किया जा रहा है।

अवैध निर्माण के खिलाफ शिकायत पर निगम द्वारा नोटिस किया गया था चस्पा

बर्फ फैक्टरी संचालक द्वारा नोटिस के बावजूद किया जा रहा निर्माण : शिकायतकर्ता संदीप गोयल

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 18 जून। नई सब्जी मंडी श्याम लाल बाग एरिया में अवैध निर्माण की शिकायत पर नगर निगम द्वारा नोटिस चिपकाए जाने के बावजूद आरोपी द्वारा बिल्डिंग में अवैध निर्माण किया जा रहा है। शिकायतकर्ता संदीप गोयल का कहना है कि नई सब्जी मंडी श्याम लाल बाग में उनका मकान है जिसके सामने उनके साथ लगते मकान मालिक बर्फ फैक्टरी संचालक जितेंद्र रहेजा ने अवैध रूप से निर्माण करके 4 फिट का छज्जा बाहर निकाल रखा है। जिस कारण उनके मकान का गेट भी नहीं खुल पा रहा है।
उन्होंने कहा कि उन्होंने इस संबंध में नगर निगम में शिकायत दी थी जिस पर कार्यवाही करते हुए निगम ने अवैध निर्माण करने वाले बर्फ फैक्ट्री संचालक जितेंद्र रहेजा को 24.10.2024 नोटिस भेजा था। नोटिस नहीं लेने की सूरत में निगम के कर्मचारियों ने नोटिस को बिल्डिंग के सामने चस्पा कर दिया था। इस नोटिस में निर्माण को तुरंत रोकने व अवैध निर्माण को 7 दिन के अंदर-अंदर तुरंत हटाने के स्पष्ट निर्देश दिए हुए थे लेकिन बर्फ फैक्टरी संचालक जितेंद्र रहेजा ने अवैध निर्माण को अभी तक नहीं हटाया है जबकि वे इस बारे में बार-बार निगम को शिकायत दे चुके हैं। संदीप गोयल ने बताया कि उन्होंने इसकी शिकायत पी.एम. विंडो, सी.एम. विंडो, नगर निगम के अधिकारियों को बार-की लेकिन शिकायत के डेढ़ वर्ष बीत जाने के बाद भी आरोपी ने अवैध निर्माण को नहीं हटाया है। अब जितेंद्र रहेजा ने 18 जून बुधवार को फिर से इस भवन में निर्माण कार्य शुरू कर दिया है जो कि निगम के आदेशों की खुलेआम अवहेलना है। संदीप गोयल ने निगम प्रशासन से तुरंत बिल्डिंग में निर्माण कार्य रुकवाने व इस अवैध निर्माण को हटवाने की मांग करते हुए आरोपी पर कानूनी कार्यवाही की मांग की है।

मोदी के नेतृत्व में देश ने 11 वर्षों में हर क्षेत्र में तरक्की की : डॉ. कमल गुप्ता

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 18 जून। भाजपा जिला कार्यालय में प्रोफेशनल मीट का आयोजन किया गया। इसमें प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता इसमें मुख्य वक्ता रहे जबकि मेयर प्रवीण पोपली व पूर्व जिला अध्यक्ष कृष्णलाल रिणवा ने भी अपने विचार रखे। डॉ. कमल गुप्ता ने प्रोफेशनल मीट को संबोधित करते हुए कहा कि देशभर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के सफलतम 11 वर्ष पूर्ण होने पर अभियान चलाया जा रहा है।
सभी जानते हैं कि इन 11 वर्षों में देश ने अभूतपूर्व तरक्की की है। कोई क्षेत्र ऐसा नहीं, जिसमें देश आगे न बढ़ा हो। देश ने आर्थिक व सामरिक रूप से जो तरक्की की है, उस पर हर देशवासी को गर्व है। उन्होंने कहा कि सभी प्रकोष्ठ प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में केन्द्र सरकार के सफलतम 11 वर्षों की जनकल्याणकारी नीतियों का प्रचार-प्रसार करें और लाभपात्रों तक नीतियां पहुंचाने में भूमिका निभाएं। मेयर प्रवीण पोपली व पूर्व जिला अध्यक्ष कृष्ण लाल रिणवा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि देशभर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लागू की गई नीतियों का डंका बज रहा है। हमें इन नीतियों का प्रचार प्रसार करके जन-जन को अवगत कराना है कि देश की मजबूती के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जैसा मजबूत प्रधानमंत्री होना जरूरी है।
जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि कार्यक्रम में पहुंचने पर जिला महामंत्री आशीष जोशी व संजीव रेवड़ी ने वक्ताओं का स्वागत किया और आए हुए सभी पदाधिकारियों का आभार जताया। उन्होंने बताया कि इस प्रोफेशनल मीट में जिला महामंत्री आशीष जोशी, संजीव रेवड़ी, मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा व आईटी प्रकोष्ठ से सुरेश जांगड़ा के अलावा सभी प्रकोष्ठों के प्रभारी व अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। इसमें वक्ताओं ने केन्द्र सरकार के 11 वर्षों की उपलब्धियों व नीतियों बारे विस्तार से जानकारी दी।

एचएयू के विद्यार्थियों का विवि प्रशासन से टकराव चरम पर

रजिस्ट्रार ने उपायुक्त को 19 विद्यार्थियों की शिकायत भेजी

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 18 जून। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में छात्रों और प्रशासन के बीच टकराव लगातार बढ़ता जा रहा है। एक ओर विद्यार्थियों को अन्य विश्वविद्यालयों और विपक्ष के नेताओं का समर्थन मिल रहा है तो दूसरी ओर प्रशासन की प्रस्तावित बातचीत से भी विद्यार्थियों ने इंकार कर दिया है। इसी के चलते अब विवि रजिस्ट्रार पवन कुमार ने 19 छात्रों के खिलाफ जिला प्रशासन को पत्र लिखकर माहौल बिगाड़? और परीक्षाएं प्रभावित करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।
रजिस्ट्रार की इस कार्रवाई पर विद्यार्थियों ने हरियाणा सरकार के चीफ सेक्रेटरी को पत्र लिखकर यूनिवर्सिटी के चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर सुखबीर सिंह और 17 प्रोफेसरों पर मानसिक उत्पीडन का आरोप लगाया है। हकृवि विद्यार्थियों का कहना है कि वे लोकतांत्रिक तरीके से अपने अधिकारों की मांग कर रहे हैं, लेकिन यूनिवर्सिटी प्रशासन उन्हें लगातार निशाना बना रहा है। दूसरी ओर विवि प्रशासन का आरोप है कि छात्रों का आंदोलन अब राजनीतिक रंग ले चुका है और वे अन्य छात्रों पर भी परीक्षा न देने का दबाव बना रहे हैं। मंगलवार को इनसो का एक प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिला, जिसमें कुलपति बीआर कम्बोज को हटाने की मांग की गई। इसके अलावा छात्रों के आंदोलन के बीच एचएयू ने अपने चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर सुखबीर छुट्टी पर भेज दिया है। उनकी जगह असिस्टेंट प्रोफेसर अनिल कुमार को सुरक्षा इंतजाम करने और प्रशासन के साथ तालमेल बैठाने की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं जेएनयू के छात्र संगठन ने एचएयू के छात्रों के साथ खड़े होने का ऐलान किया। धरने पर जेएनयू अध्यक्ष नीतिश कुमार, पूर्व अध्यक्ष आइसी घोष, उप प्रधान मनीषा, जय प्रकाश, डीयू से अंजलि, विक्की, एसएफआइ से परण पहुंचे थे। वहीं राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने एचएयू के धरना दे रहे छात्रों से कल मंगलवार को फोन पर बात की थी। खरड़े ने कहा था कि कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से छात्रों के साथ है। इस मामले में जो भी होगा हम छात्रों के लिए करेंगे। आपके साथ रहेंगे। खडगे ने कहा कि एक महीने के बाद सेशन होगा। इसमें हम पुरजोर तरीके से मांग उठाएंगे। खडगे ने कहा कि इससे पहले पूरे प्वाइंट्स लेकर उनके पास आएं कि यह मामला कैसे शुरू हुआ, क्यों शुरू हुआ, पहले क्या स्थिति थी और अब कैसे छात्रों को नुकसान उठाना पड़ रहा है।

रजिस्ट्रार की शिकायत में ये हैं विद्यार्थी

यश सहारण, तेजस मलिक, निकिता गोयल, हर्ष पूनिया, शुभम गर्ग, पूजा दलाल, मुकुल भांभू, अरूण गिल, अभिलेख दलाल, इनायत अली, हरदीप सांगवान, अजय कालीरामण, दीपक तोमर, योगेश राजराणा, राहुल गहलावत, मोहित मनधेरणा, रोबिन, विनय शर्मा और मनयोग चित्रा। बाक्स

इन प्रोफेसरों के खिलाफ छात्रों ने की है शिकायत

सुखबीर सिंह, चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर, डॉ. केडी शर्मा, डॉ. अतुल ढींगड़ा, डॉ. पवन कुमार, डॉ. दिलीप बिश्नोई, डॉ. अंकित जूद, डॉ. अशोक गोदारा, डॉ. एमएल खीचड़, डॉ. सुमित सैनी, डॉ. ओपी बिश्नोई, डॉ. करमल मलिक, डॉ. नीतिश बंसल, डॉ. पीके चहल, डॉ. देवेंद्र सिंह, डॉ. संदीप आर्य, डॉ. विकास कम्बोज और डॉ. रूपेंद्र।

श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर मीटिंग

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 18 जून। ब्रह्मसरोवर तीर्थ पर आयोजित होने वाले 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन को लेकर श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान ने शिक्षकों, अधिकारियों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में कुलपति ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि योग दिवस कार्यक्रम में शिक्षक,गैर-शिक्षक कर्मचारी और विद्यार्थियों सहित सभी की सहभागिता अनिवार्य होगी। उन्होंने कहा कि आयुष पद्धति का मूल आधार योग और जीवनशैली में सुधार है। ऐसे में विश्वविद्यालय के सभी सदस्य योग को न केवल अपनाएं, बल्कि दूसरों के लिए प्रेरणा स्रोत भी बनें। कुलपति ने निर्देश दिए कि हर विभाग योग दिवस में भागीदारी को प्राथमिकता दे,प्रतिभागियों की सूची समय रहते उपलब्ध कराएं और किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। कुलपति ने यह भी कहा कि योग के अभ्यास से शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक संतुलन प्राप्त होता है और यह दिनचर्या का अनिवार्य अंग बनना चाहिए। बैठक में कुलसचिव प्रो.ब्रिजेंद्र सिंह तोमर, आयुर्वेद अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान के प्राचार्य प्रो. वैद्य देवेंद्र खुराना, अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक प्रो.राजेंद्र सिंह चौधरी, प्रो. जितेश कुमार पंडा, प्रो. सीमा, प्रो. शोभा कौशल, प्रो.आशीष मेहता, योग विभाग की चेयरपर्सन प्रो.शीतल सिंगला, प्रो.राजा सिंगला, प्रो. नीलम, प्रो. रविराज, प्रो. शंभू दयाल शर्मा, प्रो. अमित कटारिया,प्रो.दीप्ति पराशर, प्रो. मनोज तंवर, प्रो. सुनीति तंवर, डॉ. सुरेंद्र सहरावत, डॉ. ममता राणा, डॉ. मोहित, डॉ. नेहा लांबा एवं योगेंद्र कुमार समेत अन्य अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

स्टार यूनियन दाई-इची लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने पॉलिसीबाजार के साथ साझेदारी कर लॉन्च किया एसयूडी लाइफ निफ्टी अल्फा 50 इंडेक्स पेंशन फंड

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
नोएडा, 18 जून। स्टार यूनियन दाई-इची लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एसयूडी लाइफ) ने पॉलिसीबाजार के साथ साझेदारी कर एसयूडी लाइफ निफ्टी अल्फा 50 इंडेक्स पेंशन फंड पेश किया है। यह उच्च संभावनाओं वाला नया इक्विटी फंड एसयूडी लाइफ की यूलिप पेंशन योजना एसयूडी लाइफ पेंशन प्लस के लिए तैयार किया गया है। यह अभिनव फंड ग्राहकों को दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण का रणनीतिक विकल्प प्रदान करता है, जिससे वे अपने सेवानिवृत्ति के बाद की आर्थिक सुरक्षा को और अधिक मजबूत बना सकें।
एसयूडी लाइफ निफ्टी अल्फा 50 इंडेक्स पेंशन फंड भारत की शीर्ष 300 कंपनियों में से चयनित 50 उच्च प्रदर्शन करने वाले शेयरों में निवेश करता है। यह फंड वित्तीय सेवाएं, उपभोक्ता वस्तुएं, पूंजीगत वस्तुएं एवं अधोसंरचना, स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी, तेल, धातु एवं खनन, ऑटोमोबाइल एवं सहायक उद्योग तथा निर्माण एवं रियल एस्टेट जैसे प्रमुख क्षेत्रों में रणनीतिक रूप से निवेश करता है। प्रत्येक तिमाही में पोर्टफोलियो का पुनर्मूल्यांकन किया जाता है जिससे यह बाजार के अनुकूल बना रहे।
एसयूडी लाइफ का यह फंड "निफ्टी अल्फा 50 इंडेक्स" को ट्रैक करता है, जो बारह वर्षों से बाजार में मौजूद है और इसका प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है।

एचडीएफसी इर्गो ने खरीफ सीजन के लिए हरियाणा में किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना लागू की

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
गुरुग्राम, 18 जून। भारत की अग्रणी जनरल इंश्योरेंस कंपनी, एचडीएफसी इर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को हरियाणा सरकार ने खरीफ, 2025 सीजन के लिए हिसार, सोनीपत, गुरुग्राम, करनाल, अंबाला, जींद और महेंदरगढ़ जिलों में ऋणी और गैर-ऋणी किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) लागू करने के लिए अधिकृत किया है।
खरीफ 2025 सीजन में हिसार जिले में कपास, धान, बाजरा, मक्का और हरा चना अधिसूचित फसलें हैं, जिनकी बीमित राशि क्रमशः 1,08,701, 1,06,249, 51,218, 54,487 और 47,675 है, और किसान अंश 5,435.05, 2,124.98, 1,024.36, 1,089.74 व 953.50 है। सोनीपत जिले में कपास, धान, बाजरा और मक्का अधिसूचित हैं, जिनकी बीमित राशि और किसान अंश उपरोक्त के समान है। गुरुग्राम, करनाल, अंबाला और जींद जिलों में भी कपास, धान, बाजरा और मक्का को अधिसूचित किया गया है, और इनकी बीमित राशि तथा किसान अंश क्रमशः वही हैं जो अन्य जिलों में हैं। महेन्द्रगढ़ जिले में भी इन चारों फसलों के अलावा हरा चना भी अधिसूचित किया गया है, जिसकी बीमित राशि 47,675 और किसान अंश 953.50 निर्धारित किया गया है। सभी जिलों और फसलों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है।

विकास कार्यो में नहीं आने दी जाएगी कोई कमी: जयभगवान

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
इस्माइलाबाद, 18 जून। भाजपा के विधायक पद के प्रत्याशी रहे जयभगवान शर्मा ने कहा कि इस्माइलाबाद वासियों को किसी भी तरह की कोई समस्या नहीं आने दी जाएगी। वे नगरपालिका कार्यालय में अधिकारियों, स्टाफ व पार्षदों के साथ बैठक करने के बाद ग्रामीणों से बोल रहे थे। उन्होंने लोगों की समस्या भी सुनी। वहीं उन्होंने नपा अधिकारियों से विकास कार्यों में तेजी लाने के दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी तरह की कोताही बर्दास्त नहीं की जाएगी।

संपादक की कलम से

धार्मिक यात्रा में बढ़ती हवाई दुर्घटनाएं

प्रभुनाथ शुक्ल

भारत धर्म और आस्था का देश है, लेकिन यहाँ धार्मिक यात्राएं सुरक्षित नहीं हैं। जब चारधाम जैसी यात्रा भी सुरक्षित नहीं है तो दूसरे की बात छोड़िए। धार्मिक स्थलों पर आए दिन श्रद्धालुओं के मरने की घटनाएं होती रहती हैं। उत्तराखंड में आए दिन हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं सुर्खियों में हैं। मई और जून में अब तक पांच दुर्घटनाएं सिस्टम को हिलाकर रख दिया है। हादसों में चालक दल के साथ 14 लोग मारे जा चुके हैं। पवित्र चारधाम यात्रा के दौरान यह आम बात हो गई है। जून 2009 से जून 2025 तक 15 हेलीकॉप्टर क्रैश की घटनाएं हो चुकी हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबित 16 साल में इस तरह की दुर्घटनाओं में 45 लोगों की मौत हुई है। रविवार 15 जून को गौरीकुंड के पास एक हेलीकॉप्टर की दुर्घटना में पायलट सहित 7 लोग मारे गए। चार धामयात्रा प्रबंधन ने इसके पूर्व हुई दुर्घटनाओं से सबक नहीं लिया। 17 मई को केदारनाथ में एम्स ऋषिकेश की एक हेली एम्बुलेंस की इमरजेंसी लैंडिंग हुई जिसमें हेलीकॉप्टर का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबित 12 वर्षों में केदारनाथ में कुल 14 हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें 33 लोगों की मौत हुई। धार्मिक यात्रा के दौरान बढ़ता जोखिम हमारी व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर रहा है। नागरिक और उड्डयन मंत्रालय को इस तरह के हादसों पर गंभीर कदम उठाने की आवश्यकता है। निजी एविएशन कंपनियों पर नकेल कसने की जरूरत है। धार्मिक स्थलों पर बढ़ते हादसे हमारे विश्वास और आस्था पर चोट पहुँचाते हैं। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के दौरान बढ़ते हेलीकॉप्टर हादसे को देखते हुए मुख्यमंत्री धामी ने उड़ानों पर

प्रतिबंध लगा दिया है। निश्चित रूप से राज्य सरकार का यह उचित फैसला। भारत सरकार के डीजीसीए ने अगले आदेश तक हेलीकॉप्टर की सभी उड़ानों पर रोक लगा दिया है। लेकिन सिर्फ रोक से काम नहीं चलेगा सम्बधित घटनाओं की जाँच होनी चाहिए। सवाल उठता है किस तकनीकी गड़बड़ियों की वजह से हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। किस स्तर पर लापरवाही बरती जा रही है। निर्दोष यात्रियों की जान को जोखिम में क्यों डाला जा रहा है। पैसा कमाने की होड़ में श्रद्धालुओं को मौत के मुंह में क्यों धकेला जा रहा है। सभी बिंदुओं पर गहराई से जांच पड़ताल की जानी चाहिए। हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं को लेकर जिस तरह की लापरवाही देखने को मिली है वह हमारी व्यवस्था पर सबसे बड़ा सवाल है।

15 जून रविवार को हुए हेलीकॉप्टर क्रैश में मीडिया रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आए हैं कि खराब मौसम के बाद भी निर्दोष श्रद्धालुओं की जान को जोखिम में डालकर हेलीकॉप्टर को उड़ाने के अनुमति दी गई। हालांकि यह जाँच का विषय है, लेकिन सवाल उठता है कि जब मौसम खराब था फिर हेलीकॉप्टर को उड़ाने की अनुमति किसने दी।

जबकि मौसम की गड़बड़ी की वजह से उड़ानों को निलंबित रखा जाता है। इस मामले की निष्पक्ष रूप से जांच होनी चाहिए और निर्दोष लोगों की जान से खेलने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

हम आस्था को लेकर अधिक भीरू हैं। जिसका खामियाजा हमें भुगतना पड़ता है। धार्मिक स्थलों पर भीड़ तो जरूर से ज्यादा जुटा ली जाती है, लेकिन उसके प्रबंधन के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं की जाती है। आए दिन धार्मिक स्थलों पर मौत की खबरें सुर्खियां बनती हैं। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ में सबसे बेहतरीन व्यवस्था का दावा किया गया था, लेकिन भीड़ प्रबंधन में लापरवाही की वजह से बड़ा हादसा हो गया। मंदिरों और सत्संग जैसे स्थलों पर आवश्यकता से अधिक भीड़ जुटा ली जाती है, लेकिन उसके नियंत्रण के लिए कोई व्यवस्था नहीं की जाती है। थके-हारे लोग किसी चमत्कार में पड़कर भगदड़ के शिकार हो जाते हैं। लेकिन हम घटनाओं के बाद सबक लेना नहीं चाहते। अपना प्रभुत्व दिखाने के लिए हम भीड़ अधिक से अधिक जमा कर लेते हैं, लेकिन उसके नियंत्रण के लिए हमारे पास कोई संसाधन उपलब्ध नहीं होते हैं। इसका नतीजा होता है कि भगदड़ या दूसरी स्थिति में काफी संख्या में लोग मारे जाते हैं।

उत्तराखंड में चल रही चारधाम यात्रा में देश भर से लाखों लोग पहुंचते हैं। उत्तराखंड को देवभूमि कहा जाता है। यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता अतुलनीय है। दुर्गम पहाड़ियों की चढ़ाई से होते हुए लोग बद्रीनाथ केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री पहुँचते हैं। वहां की प्राकृतिक स्थिति बेहद जटिल है। तीर्थयात्रा के दौरान बुजुर्ग और बच्चों के साथ अस्वस्थ श्रद्धालुओं को चढ़ाई पर कठिन चुनौतियों से गुजरना पड़ता है। क्योंकि, पहाड़ों की कठिन चढ़ाई चढ़ने के बाद ही पवित्र मंदिरों तक पहुंचा सकता है। चढ़ाई दुर्गम और कठिन होने से घोड़े, खच्चर या हेलीकॉप्टर की सुविधा लेनी पड़ती है।

उत्तराखंड पहाडों का राज्य है यहाँ हम जितनी ऊंचाई पर जाते हैं ऑक्सीजन लेवल कम होता जाता है। कई लोगों की यात्रा के दौरान मौत भी हो जाती है। ऑक्सीजन की कमी से भी जूझना पड़ता है। जरूरत पड़ने पर ऑक्सीजन की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। लेकिन चारधाम की पूरी यात्रा जोखिम भरी होती है। जो लोग पैदल यात्रा पूरी नहीं कर सकते वे घोड़े, खच्चर या हेलीकॉप्टर की सुविधा लेते हैं। हेलीकॉप्टर जैसे महंगी सुविधा सभी यात्रियों के लिए उपलब्ध नहीं है। क्योंकि आम श्रद्धालुओं के लिए यह सस्ती और सुलभ नहीं है।

उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के दौरान दुर्गम पहाड़ी इलाकों और मौसम की खराबी सबसे बड़ी समस्या बनती है। जिसकी वजह से आए दिन हेलीकॉप्टर क्रैश की दुर्घटनाएं होती रहती है। उड़ान को निर्देशित करने के लिए कोई एयर ट्रैफिक कण्ट्रोल की सुविधा उपलब्ध नहीं है। दूसरी तरफ हेलीकाप्टर में सिंगल इंजन होते हैं। उड़ान के दौरान कोई रडार सिस्टम नहीं होता है। कभी उड़ान भरने के बाद अचानक मौसम बिगड़ जाता है जिसकी वजह से उड़ान में दिक्कत हो जाती है। दुर्गम और सकरी घाटियों के साथ ऊँचे-ऊँचे वृक्ष।

मौसम खराब होने की स्थिति में लैंडिंग की कोई जगह नहीं होती है, जहाँ विषम स्थिति में हेलीकॉप्टर को उतार दिया जाय। इसके अलावा हर उड़ान के समय तकनीकी जाँच होनी चाहिए, पता नहीं ऐसा होता भी रहा या नहीं। फिलहाल उड़ान पर प्रतिबन्ध लगाकर धामी सरकार ने उचित निर्णय लिया है। उड़ान भरने वाली सभी निजी कंपनियों की जाँच होनी चाहिए।

हेलीकॉप्टर हादसों के लिए जिम्मेदार लोगों की जबाबदेही तय होनी चाहिए। धार्मिक यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए हर संभव कदम उठाए जाने चाहिए।

संकीर्ण जीवन-दृष्टि और टूटती नैतिक रीढ़

वर्तमान जीवनशैली में सफलता का पैमाना केवल संपत्ति, आलीशान घर, ब्रांडेड कपड़े और कारों में निहित है। यदि कोई व्यक्ति आर्थिक रूप से सक्षम है, तो उसे अपने समाज में स्वतः ही "सफल" माना जाने लगता है, भले ही उस सफलता के पीछे बेईमानी, छल-कपट, शोषण या नैतिक गिरावट क्यों न हो। यह धारणा कि "साध्य ही सब कुछ है, साधन की परवाह नहीं", अब आम होती जा रही है। इस विचारधारा ने ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, संवेदना और कर्तव्य जैसे नैतिक मूल्यों को बहुत पीछे छोड़ दिया है। आज का समाज एक ऐसे व्यक्तिवाद का शिकार है जहाँ "मैं" ही प्राथमिक है, "हम" का कोई विशेष महत्व नहीं रहा। यह आत्मकेन्द्रिकता हर क्षेत्र में दिखाई देती है–शहरी नियोजन से लेकर पारिवारिक ढांचे तक। बड़े-बड़े शहरों में सामूहिक स्थानों, खेल मैदानों, पुस्तकालयों और सार्वजनिक चौपालों की संख्या घट रही है। लोग एक-दूसरे से कटते जा रहे हैं, संवाद सीमित होता जा रहा है और सामाजिक जुड़ाव केवल डिजिटल नेटवर्कों तक सिमट कर रह गया है। यहां तक कि त्योहार और पारिवारिक आयोजन भी अब "फोटो-ऑप" बनकर रह गए हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य सोशल मीडिया पर दिखाना होता है, न कि किसी भी प्रकार की वास्तविक आत्मीयता साझा करना। भौतिकता के इस अंधे दौड़ में तात्कालिक सुख को दीर्घकालिक भलाई पर प्राथमिकता दी जा रही है। संयम, अनुशासन और तप की भावना कमजोर पड़ती जा रही है। सोशल मीडिया, उपभोक्ता वस्तुओं और बाजारवादी प्रचार के जरिए यह धारणा पक्की कर दी गई है कि अधिकतम उपभोग ही सुख का पर्याय है। लोग तुरंत मिल रहे संतोष में इतना लिप्त हो चुके हैं कि आत्म-संयम, आत्मनिरीक्षण और दीर्घकालिक दृष्टिकोण जैसी प्रवृत्तियाँ हास्यास्पद प्रतीत होती हैं।

उपभोग के निर्णयों में नैतिकता का कोई स्थान नहीं बचा है। हम जो पहनते हैं, खाते हैं या उपभोग करते हैं–उसके पीछे की कहानी, चाहे वह पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली हो या किसी मजदूर के शोषण की, हमें प्रभावित नहीं करती। उदाहरण के लिए, फास्ट फैशन का उद्योग आज भी फल-फूल रहा है, भले ही हम सबको पता है कि इसमें कैसे सस्ते श्रम और पर्यावरणीय संसाधनों का दोहन होता है। नैतिक उपभोक्तावाद आज भी केवल कुछ सीमित वर्गों तक सिमटा हुआ है।

इस सोच का परिणाम है कि समाज में नैतिक मूल्यों का क्षरण तीव्र गति से हो रहा है। लोग अब परिणामों को ही सब कुछ मानते हैं–उस परिणाम की प्राप्ति की प्रक्रिया चाहे जितनी भी अपारदर्शी या अनैतिक क्यों न हो। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं है, बल्कि कॉर्पोरेट दुनिया, राजनीति, शिक्षा, चिकित्सा, और मीडिया जैसे हर संस्थान में दिखती है। जब लाभ की भूख नैतिक सीमाओं को लांघती है, तब कॉर्पोरेट घोटाले जन्म लेते हैं, नेताओं की ईमानदारी संदेह के घेरे में आती है और शिक्षा की पवित्रता पर व्यापार हावी हो जाता है।

नैतिक मूल्यों का ह्रास केवल संस्थागत नहीं है–व्यक्तिगत स्तर पर भी सहानुभूति और करुणा कम होती जा रही है। आज का व्यक्ति अपने लक्ष्य की पूर्ति में इतना डूबा हुआ है कि उसे पड़ोसी की पीड़ा, बुजुर्गों की उपेक्षा, या मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं रह गया है। यह संवेदनहीनता धीरे-धीरे समाज को ऐसे व्यक्तियों का समूह बना रही है जो साथ रहते हुए भी अकेले हैं, और जिनके बीच आत्मीयता नहीं, केवल उपयोगिता का संबंध रह गया है।

साथ ही, नैतिक सापेक्षवाद का चलन भी बढ़ा है। जो चीजें पहले स्पष्ट रूप से सही और गलत मानी जाती थीं, अब उन्हें परिस्थितियों के अनुसार उचित या अनुचित ठहराया जाने लगा है। परीक्षाओं में नकल करना, कार्यस्थलों पर झूठ बोलना, रिश्वत देकर काम करवाना–इन सबको अब "सिस्टम का हिस्सा" मान लिया गया है। यह विचार कि "अगर सब कर रहे हैं, तो मैं क्यों नहीं?" एक सामूहिक नैतिक पतन का संकेत है।

यह सब केवल सामाजिक नहीं, बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी खतरनाक है। जब जीवन का उद्देश्य केवल अधिक से अधिक उपभोग बन जाता है, तो संसाधनों का दोहन अपरिहार्य हो जाता है। जलवायु परिवर्तन, जल संकट, जैव विविधता का विनाश–ये सब इसी "अच्छे जीवन" की भ्रामक परिभाषा के दुष्परिणाम हैं। यह विडंबना ही है कि हम एक ऐसा जीवन जीने की कोशिश कर रहे हैं जो पृथ्वी के भविष्य को ही अंधकारमय बना रहा है।

आज की स्थिति यह है कि नैतिकता अब केवल ब्रांडिंग का एक उपकरण बन गई है। बड़ी-बड़ी कंपनियाँ और संस्थाएँ "कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व" के नाम पर कुछ घटनात्मक कार्यक्रम करके अपने दामन को उजला दिखाने का प्रयास करती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर परिवर्तन नहीं होता। यह "सतही नैतिकता" समाज को धोखा देने के साथ-साथ आत्मप्रवंचना को भी जन्म देती है। यदि हमें इस गिरावट को रोकना है और एक संतुलित, करुणामय तथा नैतिक समाज की ओर बढ़ना है, तो हमें "अच्छे जीवन" की धारणा को पुनर्परिभाषित करना होगा। जीवन की सफलता को केवल संपत्ति और प्रतिष्ठा से नहीं, बल्कि उद्देश्य, सद्गुणों, सहानुभूति और सामूहिक भलाई से जोड़ना होगा। इस दिशा में कुछ परंपरागत दर्शन–जैसे बौद्ध धर्म, गांधीवाद और जैन दृष्टिकोण–महत्वपूर्ण संकेत देते हैं। ये परंपराएँ आंतरिक संतुलन, अपरिग्रह, और नैतिक अनुशासन को जीवन की सफलता का आधार मानती हैं।

एक अच्छा जीवन वह है जो केवल अपने लिए नहीं, दूसरों के लिए भी जिया जाए। जिसमें सामुदायिक सहयोग, पर्यावरणीय संवेदनशीलता और आत्म-संयम हो।

चेहरे पर पिंपल्स क्यों होते हैं, पेट से क्या है इसका कनेक्शन?

युवावस्था में अक्सर चेहरे पर पिंपल हो जाता हैं. इन पिंपल्स को लेकर युवा और खासतौर पर युवतियां बहुत परेशान रहती हैं. चेहरे को साफ सुथरा और पिंपल रहित रखने के लिए युवा कई तरह के सौंदर्य प्रसाधनों का भी सहारा लेते हैं. हालांकि पिंपल होने के मुख्य कारणों पर उनका ध्यान नहीं जाता. क्यों होते हैं पिंपल और इनसेकैसे बचा जा सकता है. इस बारे में बता रहे हैं डॉक्टर.

पिंपल होने का मुख्य कारण रोम छिद्रों का बंद होना होता है. यह कई कारणों से हो सकते हैं. तैलीय त्वचा होने के कारण अक्सर रोम छिद्र बंद हो जाते हैं. ऐसा होने पर पिंपल होना शुरू हो जाते हैं. सामान्य तौर पर इलाज और त्वचा की सफाई करने पर पिंपल सही होने लगते हैं. लेकिन, रोम छिद्र बंद हैं तो यह दोबारा हो जाते हैं. हालांकि पेट से संबंधित कुछ बीमारियां भी पिंपल होने का कारण होती हैं.

पेट की गर्मी से होते हैं पिंपल

गाजियाबाद के जिलाएमएमजी अस्पताल के सीनियर स्किन स्पेशलिस्ट डॉ. एके दीक्षित बताते हैं कि पिंपल होने का एक कारण पेट की गर्मी भी होता है. पेट की गर्मी के कारण पसीने में भी वृद्धि होती है. पसीना गंदगी और बैक्टीरिया के साथ मिलकर चेहरे छिद्रों को बंद कर देता है. इसके साथ ही गर्मी के कारण त्वचा में सूजन भी हो सकती है. जिससे पिंपल्स हो सकते हैं.

डॉ दीक्षित कहते हैं कि पेट की गर्मी पिंपल्स होने का एक कारण है, लेकिन यह शरीर में हार्मोनल परिवर्तन से भी होता है. हार्मोनल परिवर्तन के कारण ते इसके अलावा आंतों में इंफेक्शन होने से पेट साफ न होना और शरीर में गंदगी जमने से भी स्किन पर पिंपल्स आ जाते हैं. इसलिए ही कहा जाता है कि जिनको पिंपल्स ज्यादा निकलते हैं उनको बाहर का भोजन और किसी भी तरह का फास्ट फूड नहीं खाना चाहिए.

पेट की गर्मी को कम करने के लिए क्या करें

डॉ दीक्षित के मुताबिक,पेट की गर्मी को शांत रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और शरीर को हाइड्रेट रखें. ठंडे पानी से स्नान करें. मसालेदार और वसायुक्त भोजन से बचें: त्वचा की उचित देखभाल करें. त्वचा को साफ और सूखा रखें. तनाव कम करें और पर्याप्त नींद लें। यदि पिंपल्स गंभीर हैं या ठीक नहीं हो रहे हैं तो डॉक्टर से सलाह लें.

लव जिहाद ही नहीं अब लव अपराध भी है

मुझे लगता है कि लव यानि प्यार यानि इश्क से जुडी कहानियों को लेकर मुझे अब बाकायदा किसी विश्वविद्यालय में जाकर शोध कार्य करना पडेगा. सोनम-राजा रघुवंशी कांड के बाद मुझे -'नफरत सी हो गई है, मोहब्बत के नाम से '. लगता है प्रेम अब न जिहाद है, न जिद बल्कि अपराध है, केवल अपराध.

इंदौर के राजा रघुवंशी की उसकी पत्नी सोनम द्वारा हत्या और इंदौर कै ही कांग्रेस पारषद द्वारा लव जिहाद के लिए पार्षद निधि का इस्तेमाल सचमुच चौंकाने वाला मामला है. सोनम कांड एक प्रेम, धोखे, और सुनियोजित हत्या की कहानी है, जिसने न केवल राजा रघुवंशी के परिवार को झकझोर दिया, बल्कि समाज में रिश्तों और विश्वास पर सवाल उठाए। मेघालय पुलिस की जांच अभी भी जारी है, और सोनम की व्हाट्सएप चैट, क्राइम सीन रीक्रिएशन, और अन्य सबूत इस मामले को और स्पष्ट कर सकते हैं। सबसे पहले सोनम की बेवफाई की बात करते हैं. मामला पिछले महीने का है लेकिन हमारे ठलुआ मीडिया ने इसे अभी तक जिंदा रखा हुआ है. सोनम का नाम और हर रोज एक नयी कहानी सुन और पढकर लगता है कि सोनम न हुई चंद्रकांता संतति का अंतहीन किस्सा हो गई. लगता है कि मीडिया ने तय कर लिया है कि वो सोनम को मरने नहीं देगा.सोनम कांड, जिसे मेघालय हनीमून मर्डर केस के रूप में भी जाना जाता है, मध्य प्रदेश के इंदौर के रहने वाले राजा रघुवंशी की हत्या से संबंधित एक हाई-प्रोफाइल आपराधिक मामला है। इस मामले में मुख्य आरोपी उनकी पत्नी सोनम रघुवंशी हैं। यह मामला 2025 में सुर्खियों में आया और इसने पूरे देश में व्यापक चर्चा उत्पन्न की। आपको बता दें कि इंदौर देश में स्वच्छता के मामले में नंवर वन था लेकिन अब अपराध के मामले में नंवर वन है.. भाजपा के राज में इसी इंदौर में हनीट्रेप कांड हुआ था. उस मामले में भी किसी का कुछ नहीं बिगडा और शायद सोनम का भी कुछ नहीं बिगडेगा. मुमकिन है कि रामसे ब्रदर्श सोनम कांड पर कोई हारर फिल्म का ऐलान कर दें.राजा रघुवंशी और सोनम की शादी 11 मई 2025 को हुई थी। शादी के कुछ ही दिनों बाद, सोनम ने अपने पति को हनीमून के लिए मेघालय ले जाने का फैसला किया।मेघालय में, सोनम ने अपने प्रेमी राज कुशवाह और कुछ अन्य साथियों के साथ मिलकर राजा की हत्या की साजिश रची।.20 मई 2025 को राजा और सोनम मेघालय के लिए रवाना हुए। सोनम ने राजा को शिलांग के पास एक सुनसान रास्ते पर ले गई, जिसे उसने हत्या के लिए चुना था।जांच के अनुसार, सोनम ने राजा को वेइसाडोंग फॉल्स के पास ले जाकर उसकी हत्या करवाई और शव को एक गहरी खाई में फेंक दिया। 2 जून 2025 को राजा का शव खाई में मिला।पुलिस का दावा है कि सोनम ने अपने प्रेमी राज कुशवाह और तीन अन्य लोगों (विशाल सिंह चौहान, आकाश राजपूत, और आनंद कुर्मी) के साथ मिलकर इस हत्या को अंजाम दिया।मकसद:प्रारंभिक जांच में हत्या का मकसद सोनम का राज कुशवाह के साथ अवैध संबंध बताया गया है।कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि सोनम ने राजा की हत्या के लिए 20 लाख रुपये का प्रलोभन देकर सुपारी किलर हायर किए। सोनम ने राजा को तंत्र-मंत्र और मंगल दोष के बहाने कामाख्या मंदिर ले जाकर हत्या की योजना को अंजाम दिया।पुलिस जांच और गिरफ्तारी:मेघालय पुलिस ने इस मामले की जांच के लिए "ऑपरेशन हनीमून" शुरू किया।सोनम ने 9 जून 2025 को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। अन्य तीन आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया।सभी पांच आरोपियों को शिलांग कोर्ट ने 8 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा।पुलिस ने सोनम के मंगलसूत्र और अंगूठी से महत्वपूर्ण सुराग प्राप्त किए, जो जांच में महत्वपूर्ण साबित हुए।सोनम की व्हाट्सएप चैट हिस्ट्री को रिकवर करने की कोशिश की जा रही है, जो इस मामले को सुलझाने में महत्वपूर्ण हो सकती है.

यह मामला सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से ट्रेंड कर रहा है, जिसमें "सोनम बेवफा है" जैसे हैशटैग वायरल हुए।बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने भी इस मामले पर टिप्पणी की, जिसमें उन्होंने शादी को लेकर डर और सामाजिक चिंता व्यक्त की।इस कांड ने शादी से पहले पार्टनर की पृष्ठभूमि जांच कराने की मांग को बढ़ा दिया है।सोनम के भाई गोविंद ने राजा के परिवार से मुलाकात की और रोते हुए कहा कि अगर उनकी बहन दोषी है, तो उसे सजा मिलनी चाहिए।सोनम के पड़ोसियों ने भी हैरानी जताई, क्योंकि उन्हें सोनम एक धार्मिक और सामाजिक रूप से सक्रिय लड़की के रूप में दिखती थी।विवाद और अन्य दावे:सोनम के पिता ने अपनी बेटी को निर्दोष बताया और मेघालय पुलिस पर उसे फंसाने का आरोप लगाया, साथ ही सीबीआई जांच की मांग की।कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के अपराधों में फिल्मों, टीवी, और सोशल मीडिया का प्रभाव बढ़ रहा है, जो महिलाओं को अपराध की ओर ले जा सकता है।

ईरान-इजरायल युद्ध से दुनिया के सामने नई चुनौती

-: ललित गर्ग:-

इजरायल ने ईरान के ह्यपरमाणु कार्यक्रम ठिकानोंह्ल पर अचानक हमला करके न सिर्फ दुनिया को चौंका दिया है बल्कि पश्चिमी एशिया के पूरे क्षेत्र को अनिश्चितता, भय, अशांति एवं संकट के भंवर में डाल दिया है। ईरान जवाबी कार्रवाई करते हुए इजरायल को करारा जवाब दे रहा है। जहां इस्राइल इन हमलों को अपने अस्तित्व को बचाने की कार्रवाई बता रहा है, वहीं ईरान जवाबी कार्रवाई कर शीघ्र बदला लेने की बात कर रहा है। लेकिन इन दो राष्ट्रों के संघर्ष एवं युद्ध में समूची दुनिया पीस रही है। एक और युद्ध से दुनिया में विकास का रथ थमेगा, महंगाई बढ़ेगी, तेल के दाम आसमान छूने लगेंगे, व्यापक जनहानि होगी। युद्ध कभी भी किसी के हित में नहीं होता, आखिर समझौते के लिये टेबल पर बैठना ही होता है, तो पहले ही टेबल पर क्यों न बैठा जाये? विनाश एवं सर्वनाथ करने के बाद युद्ध विराम करना कैसे बुद्धिमत्ता है?

इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है, जो बताता है कि यह अपने आप में महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि नया सिलसिला हो सकता है। हमलों का व्यापक एवं विनाशकारी रूप भी इसकी गंभीरता को स्पष्ट कर देता है। कम से कम छह राउंड में किए गए हवाई हमलों के तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम ठिकानों को निशाना बनाया गया। यही नहीं, ईरान के सबसे बड़े सैन्य अधिकारी इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के चीफ हुसैन सलामी के भी मारे जाने की खबर है। ईरान ने तो जवाबी

कार्रवाई का इरादा जता ही दिया है, खुद इजरायल सरकार ने भी अपने नागरिकों से अगले कुछ दिन घरों के अंदर रहने और खाने-पीने का सामान इकट्ठा कर लेने को कहा है। इजरायली कार्रवाई के वैश्विक दुष्प्रभावों का संकेत इसी एक तथ्य से मिल जाता है कि पहले हमले के कुछ घंटों के अंदर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 13 प्रतिशत बढ़ गईं। दुनिया के शैयर बाजार धराशायी हो गये हैं। इसमें दो राय नहीं कि इजरायल लंबे समय से कहता रहा है कि ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से हर हाल में रोका जाए और जरूरी हो तो उसके लिए बल प्रयोग से भी हिचका न जाए। उसका कहना है कि ईरान इस स्थिति में आ गया था कि कुछ दिनों के अंदर 15 परमाणु बम बना सकता था। एक भयानक संशय का वातावरण बना हुआ है। पहले रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमास, कुछ समय भारत-पाक और अब इजरायल-ईरान के बीच युद्ध की स्थितियां बनना विश्व युद्ध की संकटपूर्ण स्थितियों को बल दे रही है। संशय से भरा हुआ आदमी प्रेम एवं मानवीयता से खाली होता है। पारस्परिक स्नेह, सद्भाव, सौहार्द और विश्वास के अभाव में उसका संदेहशील मन सदैव युद्ध, हिंसा, सुरक्षा के साधन जुटाने में संलग्न रहता है। उसका मन कभी निर्भय नहीं होता, वृत्तियां शान्त नहीं होतीं, संग्रह उसके सुख, संतोष और शांति को सुरसा बन लील जाता है।

जिसने परमाणु-शस्त्रों के निर्माण और फैलाव से विश्व को तनाव और संत्रास का वातावरण दिया, अनिश्चय और असमंजस की विकट स्थिति दी, उसने विश्व शांति के धरातल छिन लिया है। इन विनाशकारी स्थितियों में मानवीय सहृदयता, सहिष्णुता और सह-अस्तित्व की भावना को कैसे अक्षुण्ण रखा जा सकता है?

चोरों ने चुराया लाखों रुपए का सामान

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

इस्माइलाबाद, 18 जून। गांव भुस्तला में चोरों ने मकान में घुसकर लाखों रुपए के जेवर व सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

गांव भुस्तला वासी मान सिंह ने झांसा थाना में दी शिकायत में बताया कि वह खेतीबाड़ी का काम करता है। पिछले कुछ दिनों से उसका स्वास्थ्य खराब होने के कारण उसका इलाज चंडीगढ़ पीजीआई में चल रहा है। आठ जून को वह अपने लड़के संजय, पत्नी रीना रानी के साथ चंडीगढ़ गया था। पीछे से घर में उसकी माता मेला देवी व बहन संध्या रानी वासी कलायत थे। वे 12 जून को वापिस अपने घर आ गए। 16 जून को जब उसकी पत्नी ने घर में रखी अलमारी चैक की तो उसका ताला टूटा मिला। उसमें रखे ज्वेलरी बैग से एक मंगलसूत्र, दो टोपस, कानों के झूमके, बाली, माथे का टीके, एक नथ, अंगूठियां सहित करीब आठ तोले सोने और 20 तोले चांदी के जेवर गायब मिले। उनके चंडीगढ़ जाने व अलमारी की जांच करने के दौरान चोरों ने इस चोरी को अंजाम दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने इस मामले की जांच एएसआई अशोक कुमार को सौंपा है। अशोक कुमार ने बताया कि इस मामले में गहनता से जांच की जा रही है। पुलिस जल्द चोरों को पकड़कर जेवर बरामद कर लेगी।

नगर निगम ने जिंदल अस्पताल रोड से आईटीआई चौक तक हटाएगा अतिक्रमण

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 18 जून। मेयर प्रवीण पोपली व निगमायुक्त के निदेर्शानुसार शहर से अतिक्रमण हटाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। बुधवार को तलाकी गेट से ऋषि नगर रोड से अतिक्रमण हटवाया गया। इसके बाद टीम ने एमसी डीसी कॉलोनी मोड व मॉडल टाउन मोड से भी अतिक्रमण हटवाया। इसके साथ ही जिंदल चौक से लेकर आईटीआई चौक तक रोड से अतिक्रमण हटवाया गया। तहबाजारी टीम के जेई राजकुमार ने बताया कि इसके अलावा सिरसा चुंगी से लेकर जिन्दल पुल तक रोड और बस स्टैण्ड पर अतिक्रमण नहीं था। इस दौरान तहबाजारी इंचार्ज सुरेंद्र शर्मा टीम के साथ मौजूद रहे।

कश्यप समाज की लोकसभा व विधानसभा में अनदेखी पर केंद्रीय पर्यवेक्षक को सौंपा ज्ञापन

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 18 जून। कांग्रेस ओबीसी सैल के पूर्व प्रदेश संयोजक व जिला प्रभारी प्रवीन कश्यप ने कांग्रेस भवन में केंद्रीय पर्यवेक्षक कुलजीत नागरा को कश्यप समाज की लोकसभा व विधानसभा में अनदेखी पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया है कि हरियाणा में लोकसभा व विधानसभा चुनावों में कश्यप समाज की हरियाणा के नेताओं के द्वारा अनदेखी की गई थी, जिससे कश्यप समाज में रोष था। इस कारण लोकसभा व विधानसभा चुनाव में कश्यप समाज की पूर्ण रूप से वोट नही मिल पाई थी। हरियाणा प्रदेश में कश्यप समाज 17 लाख वोट बैंक रखता है। ज्ञापन के माध्यम से निवेदन किया गया कि कश्यप समाज को संगठन में महत्वपूर्ण स्थान दिया जाए, जिससे समाज को पार्टी के साथ जोड़ा जा सके। ज्ञापन में बताया गया कि हरियाणा में कालका से लेकर फरीदाबाद तक यमुना पट्टी पर लगभग हर विधानसभा में 15 हजार वोटों का संग्रह कश्यप समाज रखता है। हरियाणा की 7 विधानसभा में 20 हजार से 25 हजार वोट कश्यप समाज रखता है। इंद्री से पानीपत ग्रामीण में 30 हजार से 40 हजार वोट कश्यप समाज रखता है। करनाल लोकसभा क्षेत्र में 3 लाख वोट कश्यप समाज का है। कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र में 2 लाख वोट कश्यप समाज का है।

सुनार समाज की सेवा करना ही मेरा लक्ष्य : रामकुमार वर्मा

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 18 जून। मैढ़ क्षत्रिय सुनार समाज के प्रधान राम कुमार वर्मा का कहना है कि उनका एकमात्र उद्देश्य सुनार समाज के लिए काम करना है जिसके लिए वह तन मन धन से समर्पित हैं। यह विचार उन्होंने सुनार सभा के सदस्य अनिल वर्मा द्वारा सुनार समाज के आदि पुरुष की प्रतिमा भेंट करने उपरांत व्यक्त किए। उल्लेखनीय है कि गत दिनों राम कुमार वर्मा को सुनार समाज के लोगों ने सर्वसम्मति से तीसरी बार प्रधान पद पर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति समाज के प्रति की गई उनकी निस्वार्थ सेवा को देखते हुए की गई है। इसके अतिरिक्त तीन साल के लिए नई कार्यकारिणी भी चुन ली गई है जिसमें 4 सदस्य नए शामिल किए गए हैं। रामकुमार वर्मा ने कहा कि जब से उन्होंने मैढ़ क्षत्रिय सुनार समाज का प्रधान पद संभाला है, तब से दिन-रात एक करके समाज को नई पहचान दिलाने की कोशिश की है।

उन्होंने कहा कि उनकी कार्यकारिणी के प्रयासों से अजमीढ़ जी महाराज चौक का निर्माण हुआ है, जिस पर एक भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है,जिसका लोकार्पण मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी अथवा हरियाणा के किसी मंत्री द्वारा शीघ्र ही किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनकी कोशिश है कि वो समाज की एकता को बनाए रखें और सब मिल जुल कर समाज के उत्थान में अपना योगदान देते रहें। इस अवसर पर सुनार धर्मशाला के मैनेजर रामकुमार वर्मा, मुख्य सलाहकार महावीर वर्मा, सचिव रामकुमार वर्मा, अनिल वर्मा, अंकित सहित अन्य सदस्य व पदाधिकारी मौजूद थे।

बाला जी ज्वेलर्स में सेंधमारी, चोर ने सोने की ज्वेलरी और नकदी चुराई

हरियाणा वाटिका/एकजोत

शाहाबाद मारकंडा, 18 जून। गोरी शंकर मंदिर के पास मुख्य बाजार में स्थित प्रसिद्ध बाला जी ज्वेलर्स दुकान में मंगलवार-बुधवार रात चोरी की घटना सामने आई। घटनास्थल पर प्राप्त जानकारी के अनुसार अज्ञात चोर ने दुकान की छत के रास्ते से प्रवेश कर दरवाजा तोड़ा और अंधेरे का फायदा उठाकर करीब 20 मिनट तक दुकान में ज्वेलरी एवं नगदी की तलाश की।सीसीटीवी फुटेज में स्पष्ट देखा गया कि चोर ने दुकान में अलग-अलग डिब्बों व ट्रे में रखी सोने की ज्वेलरी खंगाली, लेकिन मुख्य सेफ को तोड़ने में असमर्थ रहा। इस कारण बड़ा नुकसान टल गया। दुकान के मालिक सचिन वर्मा ने बताया कि चोर ने सोने के एक सेट (एक जोड़ी बाली का सेट) व अन्य

सोने के एक गहने पर हाथ साफ किया है, जबकि चांदी की ज्वेलरी को हाथ तक नहीं लगाया। साथ ही गल्ले में रखे छुट्टे पैसे भी चोर अपने साथ लेकर चला गया।

दुकान के भीतर रखे मुख्य सेफ तक पहुँचने में चोर विफल रहा, जिससे मूल्यवान ज्वेलरी सुरक्षित रही। सीसीटीवी फुटेज से अंदाजा होता है कि चोर ने अति सावधानी से छत का रास्ता अपनाया ताकि आसपास के लोगों का ध्यान आकर्षित न हो। सचिन वर्मा ने बताया कि चोरी का पता सुबह दुकान खोलते समय चला। उन्होंने तुरंत सिटी पुलिस चौकी में तहरीर दे दी। पुलिस ने शिकायत के साथ सीसीटीवी फुटेज दर्ज कराकर जांच शुरू कर दी है। आसपास के अन्य सीसीटीवी कैमरों की फुटेज एकत्र की जा रही है।

गोविंद माजरा में आयोजित हुआ ह्यनवीन संकल्प शिविर

हरियाणा वाटिका/एकजोत

शाहाबाद मारकंडा, 18 जून। कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र के सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर शाहाबाद हल्के के गांव गोविंद माजरा में मंगलवार को ह्लनवीन संकल्प शिविरह्व का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना रहा। सांसद कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इस शिविर में कुल 29 ग्रामीणों को स्वास्थ्य जांच के बाद मुफ्त परामर्श और दवाइयां दी गईं। शिविर में रक्त जांच, यूरीन टेस्ट जैसी बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं के

साथ-साथ खानपान और दिनचर्या संबंधी सलाह भी दी गई। उन्होंने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल के मार्गदर्शन में "नवीन जिन्दल फाउंडेशन" द्वारा पूरे कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में इस प्रकार के संकल्प शिविर लगातार आयोजित किए जा रहे हैं।

इन शिविरों के माध्यम से आमजन को न केवल निशुल्क दवाइयां और जांच की सुविधा दी जाती है, बल्कि उन्हें ह्यस्वस्थ जीवनशैलीह्व अपनाने के लिए भी प्रेरित किया जाता है। शिविर में उपस्थित लोगों को ह्यनवीन जिन्दल यशस्वी छात्रवृत्ति योजनाह्व की जानकारी भी दी गई, ताकि क्षेत्र के होनहार छात्र-छात्राएं इस योजना का लाभ उठा सकें। इस शिविर के सफल आयोजन में गांव के सरपंच अभिषेक, पूर्व सरपंच नफे सिंह गुर्जर, मंडल अध्यक्ष नरेश कुमार, इकबाल गुर्जर, धर्मपाल सहित अनेक ग्रामीणों का सराहनीय योगदान रहा। ग्रामीणों ने सांसद नवीन जिन्दल का आभार व्यक्त करते हुए ऐसे शिविरों को जनहित में अत्यंत उपयोगी बताया।

गांव धुराला में जन औषधि केंद्र का किया उद्घाटन

स्वास्थ्य सेवाओं के लिए वरदान है जन औषधि केंद्र : सुभाष कलसाना

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 18 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की जनहितैषी योजनाओं के तहत ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गांव धुराला में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र का उद्घाटन आज वरिष्ठ भाजपा नेता मास्टर सुभाष कलसाना द्वारा विधिवत रूप से किया गया। इस अवसर पर स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकताओं, कॉपरेटिव बैंक व सहकारी समिति धुराला के अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। भाजपा कार्यकताओं और स्थानीय निवासियों ने मास्टर सुभाष कलसाना का फूलमालाओ के साथ स्वागत किया। इसके उपरांत मास्टर सुभाष कलसाना ने रिबन काट कर औषधि केंद्र का शुभारंभ किया। मास्टर सुभाष कलसाना ने कहा कि प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना एक ऐतिहासिक कदम है, जिसका उद्देश्य आमजन को उच्च गुणवत्ता वाली जेनरिक दवाइयां किफायती मूल्य पर उपलब्ध कराना है। यह केंद्र गांव धुराला ही नहीं, आस पास के गांव के निवासियों के लिए स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नई सौगात है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का संकल्प है कि देश का अंतिम व्यक्ति भी सुलभ और सस्ती स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित न रहे। इसी दिशा में यह पहल ग्रामीण भारत को सशक्त बनाने की दिशा में एक ठोस प्रयास है।

ये दवाएं बाजार मूल्य से 50% से 80% तक सस्ती होंगी। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों से संबंधित आवश्यक दवाएं विशेष रूप से उपलब्ध रहेंगी। जो कि प्रशिक्षित फार्मासिस्ट द्वारा सेवाएं दी जाएंगी। जन औषधि केंद्र की स्थापना के लिए गांववासियों ने मुख्यमंत्री नायब सैनी और मास्टर सुभाष कलसाना का आभार प्रकट किया और कहा कि इससे न केवल आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को राहत मिलेगी, बल्कि गांव में स्वास्थ्य जागरूकता भी बढ़ेगी। इस अवसर पर गुरनाम सिंह सैनी प्रधान सैनी समाज सभा कुरुक्षेत्र, सुभाष सैनी डायरेक्टर कोआपरेटिव बैंक कुरुक्षेत्र, सुनील पातर महाप्रबंधक कोआपरेटिव बैंक कुरुक्षेत्र, प्रदीप चौहान सहायक रजिस्ट्रार, अशोक मेहता प्रबंधक सहकारी समिति धुराला, सतपाल सिंह सरपंच धुराला, राजेंद्र सिंह पूर्व सरपंच धुराला, कर्मवीर सिंह सरपंच चीबा, चो. मामचंद , रविन्द्र गुज्जर, जोगा सिंह हंसाला, मान सिंह सरपंच प्रतिनिधि सरायसुखी व अन्य गण मान्य लोग उपस्थित रहे।

बाल पुरस्कार के लिए आवेदन 31 जुलाई तक

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया

करनाल, 18 जून। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि केंद्रीय महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर आवेदन किए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2025 के तहत बहादुरी, खेलकूद, सोशल साइंस, विज्ञान एवं तकनीक पर्यावरण सहित आर्ट एवं कल्चर के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धि हासिल करने वाले बच्चे जिनकी आयु 18 वर्ष तक की हो, को ही प्रदान किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि अगले साल जनवरी में आयोजित होने वाले समारोह में राष्ट्रपति द्वारा चयनित बालकों को पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अवार्ड की घोषणा 26 दिसंबर को राष्ट्रीय वीर बाल दिवस के अवसर पर की जाएगी।

अनुभव के द्वारा सीख कर युवा अपने कौशल को बढ़ा सकते है : सुरमयी शर्मा

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 18 जून। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार मेरा युवा भारत कुरुक्षेत्र एवं प्रधानमंत्री जन औषधि परियोजना के संयुक्त प्रयास एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'अनुभव से सीखो' अभियान के तहत कुरुक्षेत्र जिले में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र में अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ आज किया गया। यह कार्यक्रम 15 दिन के लिए युवाओ के लिए आयोजित किया गया है, जिसमे युवाओ को जन औषधि केंद्र की कार्य प्रणाली, दवाइयों के बारे में जानकारी, स्टॉक मैनेजमेंट आदि विषयो के बारे में जानकारी दी जायेगी। जन औषधि केंद्र कुरुक्षेत्र के मार्केटिंग आफिसर विक्रांत प्रभाकर ने बताया कि माय भारत पोर्टल के माध्यम से कुरुक्षेत्र जिले के युवा किरणदीप, पूनम, राहुल, रजनी व रुद्रांश आज से जन औषधि केंद्र कुरुक्षेत्र में प्रशिक्षु के तौर पर कार्य करेंगे। इन्हे यहां 15 दिवसीय व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जायेगा, जिसमे जन औषधि परियोजना के कार्यप्रणाली एवं अन्य विषयो के बारे में जानकारी दी जायेगी। अन्य जानकारी देते हुए बताया कि प्रशिक्षु द्वारा किये गए कार्य की रिपोटिंग माय भारत पोर्टल पर किया जायेगा, जिसका रिव्यु जन औषधि केंद्र के उच्च अधिकारी करेंगे। इसी क्रम में माय भारत कुरुक्षेत्र की जिला युवा अधिकारी सुरमयी शर्मा ने बताया कि जन औषधि केंद्र के अलावा कुरुक्षेत्र जिले के युवाओ के लिए भारतीय डाक सेवा ने माय भारत पोर्टल पर ऐसे ही अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम के अवसर पोस्ट किये है, जिले के युवा माय भारत पोर्टल पर पंजीयन कर ऐसे विभिन्न कार्यक्रम का लाभ लेकर अनुभव प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते है। जिसे भविष्य में युवाओ को करियर सम्बन्धी लाभ मिल सकता है।

स्वस्थ जीवन जीने की प्राचीन कला, इसे नियमित दिनचर्या में अपनाएं सभी नागरिक : डीसी प्रीति

डीसी ने दिखाई जिला स्तरीय योग मैराथन को हरी झंडी

हरियाणा वाटिका/विकास कुमार

कैथल, 18 जून। डीसी प्रीति ने कहा कि योग मन, मस्तिष्क और आत्मा का संतुलन बनाने का माध्यम है। योग को सिर्फ एक दिन के लिए नहीं, बल्कि उसे नियमित अपनी दिनचर्या में लेकर आएं। योग स्वस्थ जीवन जीने की प्राचीन कला है, जो शरीर और मन को आपस में जोड़ती है। प्रदेश को योगयुक्त और नशा मुक्त बनाने के लिए सभी नागरिक अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं।डीसी प्रीति बुधवार को चौधरी छोटू राम स्टेडियम में आयुष, खेल एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय योग मैराथन में प्रतिभागियों को संबोधित कर रही थीं। डीसी ने इस दौरान मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मैराथन में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित

किया गया। प्रथम स्थान पर गौरव, द्वितीय स्थान पर सुनील, तृतीय स्थान पर यशेंद्र रहे। डीसी प्रीति ने कहा कि योग ऋषि मुनियों द्वारा प्रदान की गई एक प्राचीन पद्धति है, जोकि जीवन में काफी प्रभावी है। योग करने से जहां शारीरिक स्फूर्ति प्राप्त होती है, वहीं तनाव को खत्म करता है। इस बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह के नोडल अधिकारी गिरीश कुमार ने कहा कि योग ने हजारों वर्षों से मानव जाति को शारीरिक, मानसिक व अध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाया है। योग केवल कुछ आसन करना ही नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने का एक तरीका है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जहां तनाव और चिंता हमारे जीवन का हिस्सा बन गए हैं, वहीं योग हमें शांति और स्थिरता प्रदान करता है। जिला परिषद के सीईओ सुरेश राविश ने कहा कि योग हमारे शरीर को लचीला बनाता है। हमारी मांसपेशियों को मजबूत करता है। योग करने से एकाग्रता बढ़ती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सभी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि घर-घर योग की अलख जगाई जा सके।

इस मौके पर आरटीए गिरीश कुमार, जिप सीईओ सुरेश राविश, डीडीपीओ कंवर दमन, डीआईपीआरओ नसीब सिंह सैनी, डीडीए डॉ. बाबू लाल, डीएचओ हीरा लाल, डीएसओ राज रानी, डीआईओ दीपक खुराना, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी शंकुतला दहिया, रैडक्रॉस सचिव रामजी लाल, आईटीआई प्रिंसीपल सतीश मच्छाल, योग विशेषज्ञ डॉ. एचएस हुड्डा, कोच गुरमीत सिंह, चेतन शर्मा, राजेश कुमार, देवेंद्र, प्रशांत, जोगिंद्र, रोहताश, रीटा, ऊषा, रमेश कुमार, राहुल शर्मा सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

बंदियों को उनके अधिकारों के बारे में किया जागरूक

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 18 जून। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुरुक्षेत्र की सीजेएम एवं सचिव नीतिका भारद्वाज ने बताया कि जिला एवं सत्र न्यायधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला कारागार में महिला बंदियों के लिए जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कैंपेन दीवारों के भीतर न्याय के तहत बंदियों को कानूनी अधिकारों से सशक्त बनाने के अंतर्गत महिला बंदियों को उनके अधिकारों के बारे में बताया गया। महिला बंदियों को डीएलएसए द्वारा दी जाने वाली मुफ्त कानूनी सहायता के बारे में बताया गया। एमडीडी संस्था के सहयोग से महिला बंदियो को सैनिटरी पैड भी वितरित किए गए। शिविर के दौरान अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने के बारे उन्हें जागरूक भी किया गया।

डीएलएसए ने नशे के खिलाफ चलाया जागरूकता अभियान

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 18 जून। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुरुक्षेत्र की सीजेएम एवं सचिव नीतिका भारद्वाज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुरुक्षेत्र ने जिला ड्रग कंट्रोल अथोरिटी के साथ मिलकर नशे के खिलाफ जागरुकता कैंप लगाए जा रहे हैं। इसके तहत गांधी नगर में यह कैंपेन चलाया गया और और लोगों को नशा ना करने के लिए जागरूक किया गया। उन्हें नशीली दवाइयों के दुरुपयोग के बारे में जागरूक किया गया। उन्हें नालसा (डीएडब्लयुएन-ड्रग अवेयरनेस एंड वैलनैस नैविगेशन- फॉर ए ड्रग फ्री इंडिया) योजना 2025 के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

डीसी ने गांव हरिपुरा की महिला को दिया श्रवण यंत्र

हरियाणा वाटिका/विकास कुमार

कैथल, 18 जून। डीसी प्रीति ने हरिपुरा गांव के महिला प्रवीण को श्रवण यंत्र यानि कान की मशीन उपलब्ध करवाई। बुधवार को वह अपने पति के साथ डीसी कार्यालय में आई और अपनी परेशानी को डीसी के समक्ष रखा। उसने बताया कि उसके कानों में दिक्कत हो गई है और जिसकी वजह से उसे सुनाई नहीं देता। डॉक्टरों ने मशीन लगाने की सलाह दी है, लेकिन आर्थिक स्थित ठीक न होने के कारण वह कान की मशीन खरीदने में असमर्थ है। डीसी ने तुरंत संज्ञान लेते हुए जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव रामजी लाल को अपने कार्यालय में बुलाया और प्रार्थी को मौके पर ही श्रवण यंत्र उपलब्ध करवाया। कान की मशीन पाकर महिला ने डीसी प्रीति का धन्यवाद व्यक्त किया।

ट्राली से सूरजमुखी की चोरी नाकाम, सतर्क किसान ने चोरों को भागने पर मजबूर किया

हरियाणा वाटिका/एकजोत

शाहाबाद मारकंडा, 18 जून। नलवी रोड से दिन-दिहाड़े दो चोर एक चलती ट्राली में से सूरजमुखी की फसल का कट्टा चुरा कर फरार होने लगे। हालांकि एक जागरूक किसान की सतर्कता के चलते चोरों की यह साजिश नाकाम हो गई और उन्हें मोटर साइकिल व कट्टा मौके पर छोड़कर खदानों में भागना पड़ा। यह घटना बुधवार को शाहाबाद के जलेबी पुल के पास हुई, जब एक युवा किसान अपने नौकर के साथ किसी काम से रुका हुआ था। तभी उसके नौकर की नजर एक बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल पर पड़ी, जिस पर दो चोर एक चलती ट्राली का पीछा करते हुए उसमें से सूरजमुखी का कट्टा चोरी कर रहे थे। जैसे ही उन्होंने यह देखा, उन्होंने तुरंत शोर मचाया और अपनी मोटर साइकिल से चोरों का पीछा करना शुरू कर दिया। चोरों ने करीब 140 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से अपनी बाइक भगाई और साहा रोड चौक से वापिस शाहाबाद की ओर मुड़ गए। पीछा करते देख चोर घबरा गए और मारकंडा पुल के पास मोटर साइकिल व चुराया गया। सूरजमुखी का कट्टा छोड़ कर पास की खदानों में भाग निकले।

घटना की सूचना तुरंत डायल-112 पुलिस को दी गई। साथ ही किसान नेता जसबीर सिंह मामू माजरा को भी मौके पर बुलाया गया। उन्होंने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए। जसबीर सिंह ने कहा कि शाहाबाद में चोर चुस्त और पुलिस सुस्त हो चुकी है। आए दिन किसानों के खेतों से चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं। कभी ट्रांसफार्मर, कभी तारें, ट्रैक्टर-ट्रालियां और अब फसलें तक सुरक्षित नहीं रही हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस 100 में से महज 2 मामलों में ही एफआईआर दर्ज करती है और उनमें भी कार्रवाई बेहद धीमी होती है, जिससे चोरों के हौसले बुलंद हो रहे हैं। वहीं, डायल-112 की टीम ने मौके पर पहुंचकर मोटरसाइकिल को अपने कब्जे में ले लिया है और बताया कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

हरियाणा वाटिका
Email- haryanavatika@gmail.com

रतिया पुलिस ने ट्यूब्वैलों से केबल चुराने वाले गिरोह का किया पदार्फाश, दो युवक गिरफ्तार

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया, 18 जून। पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निदेर्शानुसार ट्यूब्वैलों से केबल चुराने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए रतिया पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पकड़े गए युवकों की पहचान बिन्द्र उर्फ बिन्द्री पुत्र जोगिन्द्र सिंह निवासी जटाना कलां, सरदूलगढ़ व मंगत राम उर्फ मंगतू पुत्र ओमप्रकाश निवासी लाली के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से वारदात में प्रयोग किए गए मोटरसाइकिल को भी बरामद कर लिया है। आरोपियों को माननीय अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा।

थाना सदर रतिया प्रभारी एसआई राजबीर सिंह ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 16 जून को गांव खैरपुर निवासी कृष्ण लाल की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार शाम को जब वह अपने खेत में गया तो उसने देखा कि अज्ञात चोर उसके ट्यूब्वैल से 25 फुट केबल काटकर चोरी कर ले गए हैं। जब उसने आसपड़ोस में पूछा तो उसे पता चला कि चोरों ने गांव के किसान संदीप कुमार के ट्यूब्वैल से 110 फुट तार, प्रदीप के ट्यूब्वैल से 30 फुट तार, दर्शन के ट्यूब्वैल से 50 फुट तार, सुभाष अलालवास के ट्यूब्वैल से 45 फुट तारी, रमेश के ट्यूब्वैल से 80 फुट, महेन्द्र खैरपुर के ट्यूब्वैल से 50 फुट, अमरवीर खैरपुर के ट्यूब्वैल से 60 फुट व पवन खैरपुर के ट्यूब्वैल से 25 फुट तार चोरी हो गई है।

इस पर उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में जांच अधिकारी एएसआई जगदीश चन्द्र ने आरोपियों बारे अहम सुराग जुटाते हुए दो युवकों को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है।

रतिया पुलिस ने सोशल मीडिया पर हथियार सहित फोटो डालने वाले युवक को किया काबू

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया, 18 जून। पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धांत जैन, आईपीएस द्वारा सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन करने वालों पर कार्रवाई के निदेर्शों के बाद सदर रतिया पुलिस ने एक युवक को काबू किया है। युवक की पहचान सहनाल निवासी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पुत्र बलविन्द्र सिंह के रूप में हुई है। युवक ने हथियारों सहित सोशल मीडिया पर फोटो डाली थी। पुलिस ने उसके पास से एक रिवाल्वर 32 बोर व उसका लाइसेंस बरामद कर लिया है। आरोपी को जांच में शामिल कर पुलिस ने उसे जमानत पर रिहा कर दिया है।

थाना सदर रतिया प्रभारी उपनि0 राजवीर सिंह ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 4 अप्रैल को शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव सहनाल निवासी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी ने सोशल मीडिया का दुरूपयोग करते हुए फरवरी 2025 में हथियार के साथ फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर डाली है। ऐसा करके उसने लोगों में दहशत का माहौल पैदा करने की कोशिश की है। पुलिस ने युवक की आईडी चैक की और इस बारे शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। इस मामले में जांच अधिकारी ने आगामी कार्रवाई करते हुए युवक को काबू कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

हिदायतोंनुसार आर्थिक व कानूनी सहायता प्रदान की जाएं: एसडीएम महेश कुमार

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 18 जून। एसडीएम महेश कुमार ने कहा कि किसी भी प्रकार की घटनाओं से पीड़ित एससी/एसटी जाति वर्ग के लोगों को सरकार की हिदायतोंनुसार तुरंत प्रभाव से आर्थिक व कानूनी सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि जिला के जिन क्षेत्रों में ज्यादा घटनाएं होती हैं, वहां पर आपसी भाईचारा बढ़ाने के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

एसडीएम महेश कुमार स्थानीय लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में बुधवार को उप मंडल स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी कमेटी की बैठक में अधिकारियों को निर्देश दे रहे थे। बैठक में उन्होंने अत्याचार निवारण योजना की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को एससी/एसटी एक्ट बारे लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत सवा आठ लाख रूपए तक की सहायता राशि प्रदान की जाती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि एससी/एसटी एक्ट का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाएं ताकि पीड़ित व्यक्तियों को समय पर लाभ मिल सकें।

उन्होंने पुलिस विभाग के अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि जिन केसों में चालान न्यायालय में प्रस्तुत किए जाते है तो उसी समय उसकी एक प्रति संबंधित विभाग में भी भिजवाई जाए और जल्द से जल्द चालान न्यायालय में पेश किए जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अखराज यानी कैंसल किए गए केसों का भी पूरा विवरण बैठक में लेकर आए। तहसील कल्याण अधिकारी राजकुमार ने एसडीएम को उपमंडल भिवानी में एससी/एसटी एक्ट के बारे विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक फरवरी से 30 अप्रैल 2025 तक कुल चार केस दर्ज हुए हैं। एक केस में जिला न्वाययवादी की रिपोर्ट अनुसार आर्थिक सहायता देय नहीं बनती है और तीन केस अखराज यानि कैंसिल हुए हैं। बैठक में पुलिस विभाग से रामहेर, डीईओ शंकर लाल, गैर सरकारी सदस्य रमेश सैनी, विजय सिंहमार सहित अनेक अधिकारी मौजूद थे।

सरकार नई बसें खरीदने में असमर्थ, किलोमीटर स्कीम (निजी बसें) को दी जा रही प्राथमिकता: जगतार सिंह

हरियाणा वाटिका/प्रवीन कुमार

चंडीगढ़, 18 जून। पंजाब रोडवेज/पनबस/पीआरटीसी कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन पंजाब 25/11 के प्रदेश संस्थापक कमल कुमार, चेयरमैन बलविंदर सिंह राठ, प्रदेश अध्यक्ष रेशम सिंह गिल, प्रदेश सचिव शमशेर सिंह ढिल्ले, कैशियर रमनदीप सिंह, कार्यालय सचिव रोही राम ने अपनी टीम के साथ चंडीगढ़ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर प्रेस से बात की और कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार तीन साल से कच्चे ट्रांसपोर्ट कर्मचारियों की मांगों को नजरअंदाज कर रही है तीन साल से ट्रांसपोर्ट कर्मचारियों को अलग-अलग पॉलिसी लागू करने का आश्वासन दिया जाता रहा है हर बार मीटिंग में सिर्फ समय काटने की कोशिश की जाती है परिवहन मंत्री पंजाब द्वारा दिनांक 09/02/2024 को एक कमेटी का गठन किया जाता है कमेटी में कर्मचारियों की मांगों को 2 महीने के अंदर हल करने का लिखित आश्वासन दिया जाता है लेकिन कोई मांग हल नहीं होती। रोजाना हो रहे विरोध को देखते हुए जालंधर उपचुनाव के दौरान 1 जुलाई 2024 को पंजाब के मुख्यमंत्री के साथ मीटिंग होती है तो पंजाब के मुख्यमंत्री को लिखित कमेटी बनाकर एक महीने के अंदर मांगों का समाधान करने को कहा जाता है लेकिन आज 1 साल बीत चुका है और मांगें जस की तस लंबित हैं।

मोदी के नेतृत्व में पूरी दुनिया में बजा है भारत की ताकत का डंका : किरण चौधरी

भारत देश बहुत तेज गति से विकसित होने की दिशा में है अग्रसर : किरण चौधरी

हरियाणा वाटिका/दीपक माहेश्वरी

तोशाम, 18 जून। राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में पिछले 11 साल के शासनकाल के दौरान भारत ने हर क्षेत्र में बेमिसाल तरक्की की है। पूरी दुनिया में भारत का डंका बजा है। हमारा देश बहुत तेज गति से विकसित होने की दिशा में अग्रसर है। आज हम हर मामले में आत्मनिर्भर हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरी दुनिया को भारत की ताकत का एहसास करवाने का काम किया है।

राज्यसभा सांसद किरण चौधरी बुधवार को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की 11 साल कीउपलब्धियों की जानकारी के लिए आयोजित विशेष चौपाल कार्यक्रम के तहत गांव ईशरवाल, रोढा, हसान और ढांगर में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थी। उन्होंने कहा कि आज देश का नेतृत्व सशक्त हाथों में है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश की तरक्की के लिए अनेक अहम फैसले लिए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी ने अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे 1500 ऐसे कानून को खत्म किया है जो कि निरर्थक थे। इसी प्रकार से मुस्लिम महिलाओं के तीन तलाक के कानून को खत्म किया जो महिलाओं के विकास में बहुत बड़ी बाधा थे। इसी प्रकार से प्रधानमंत्री श्री मोदी ने महिला सशक्तिकरण के लिए विधान सभा और लोक सभा चुनाव में 33प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया है। पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण होने से महिलाओं को आगे बढ़ने के अवसर मिले हैं,जो बहुत जरूरी हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की आर्थिक मजबूती, डिजिटल भारत, सामाजिक सुरक्षा, आधारभूत संरचना के विस्तार और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की ओर अग्रसर है।

उन्होंने कहा कि बीते 11 वर्षों में केंद्र सरकार ने गरीब, किसान, मजदूर, महिलाएं, युवाओं और समाज के पंक्ति के अंतिम व्यक्ति के जीवन को सशक्त बनाने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। देश में करोड़ों शौचालय बनवाए हैं और करोड़ों जन धन के खाते खुलवाए गए हैं और डीबीटी के माध्यम से सरकार की योजनाओं का सीधा

फायदा पहुंचा है। कोरोना काल में फ्री वैक्सीन दी गई। देश में जरूरतमंदों को फ्री अनाज दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है और सरकार ने नई टेक्नोलॉजी को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया है। किसान की 24 फसलों पर एमएसपी दिया जा रहा है। बाजरे का भाव बढ़ाकर भावांतर भरपाई योजना लागू की गई है।

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि तोशाम हल्के में विकास कार्यों में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी द्वारा गांवों के विकास के लिए करोड़ों रुपए विकास दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार गांवों के समग्र विकास के प्रति वचनबद्ध है। गांवों में शहरों जैसी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। बच्चों की पढ़ाई के लिए गांवों में ई लाइब्रेरी बनवाई जा रही हैं। युवाओं के खेलने के लिए स्टेडियम और व्यायामशालाओं का निर्माण करवाया जा रहा है। इसी प्रकार से गांवों में बिजली, पानी, सड़क, गली निर्माण, एससी, बीसी आदि चौपालो का निर्माण, फिरनी पक्की करना, पानी निकासी आदि सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी, जिसके लिए मैं और श्रुति लगी हुई हैं। राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने बताया कि गांव ईशरवाल में विभिन्न विकास कार्यों पर करीब 84लाख,गांव रोढ़ा में 50 लाख तथा हसान में करीब एक करोड़ 74 लाख रुपए तथा ढांगर गांव के विकास पर करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। इस दौरान ग्रामीणों द्वारा सांसद किरण चौधरी का फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया गया।

सरकार योग्यता के आधार पर बिना खर्ची और बिना पर्ची से दे रही है युवाओं को नौकरी...

ग्रामीण को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद श्रीमती चौधरी ने कहा कि प्रदेश सरकार योग्यता के आधार पर बिना खर्ची और बिना पर्ची के नौकरी प्रदान कर रही है। इससे युवाओं का मेहनत करने में विश्वास और मनोबल बढ़ा है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में गरीब और सामान्य घरों के होनहार बच्चे बड़े-बड़े पदों पर नौकरी पा रहे हैं।आज नौकरी सिफारिश से नहीं बल्कि योग्यता से मिल रही हैं।

पाकिस्तान को उनके घर में घुस कर दिया आतंकवाद का करारा जवाब...

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए चौधरी ने कहा कि पहलगाम आतंकवादी घटना का भारत ने करारा जवाब दिया। पाकिस्तान के घर में जाकर उनके आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया। दुनिया ने भारतीय सेना के पराक्रम को देखा। उन्होंने कहा कि आज हमारी सैन्य ताकत किसी भी देश से कम नहीं है। इस दौरान एसडीएम डॉ. अशवीर सिंह नैन, एसई ओपी बिश्नोई व दिनेश राठी,एक्सईएन नवीन देशवाल, मनीष देशवाल, विकाश धनखड़, एसडीओ डॉ. सुनील शर्मा, विक्रम पूनिया, एसडीओ चेतन, टीडब्ल्यूओ राजकुमार, एडवोकेट हरिसिंह सांगवान, प्रदीप गोलागढ़, अमर सिंह हालुवास, वायस चेयरमैन सुनील भारीवास, मण्डल अध्यक्ष कुलदीप महला, सतीश वर्मा, मंडल अध्यक्ष विक्की महता, मंडल महामंत्री राधेश्याम कलाकार, विजय तंवर, शैंकी पोपली, राज भेरा, कुलदीप मनसरवास, सुखबीर पंघाल, मनदीप कॉटिया, सुनील दहिया डाडम, रमेश पंघाल, अनिल सांगवान, राजेंद्र जाखड़, भोलू पूर्व पार्षद, ओमपाल, सुरेश लाठर, सतनारायण शर्मा, अनूप तोशाम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी जनप्रतिनिधियों अनेक पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

डीसी ने सब्जी मंडी का निरीक्षण कर लिया समस्याओं का जायजा

निरीक्षण के दौरान विकास नगर रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन और सब्जी मंडी के प्रतिनिधियों से की विस्तार से बात

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 18 जून। डीसी महावीर कौशिक ने बुधवार को सुबह मार्केट कमेटी, शहरी स्थानीय निकाय तथा यातायात पुलिस के अधिकारियों के साथ रोहतक गेट स्थित सब्जी मंडी का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां पर विकास नगर रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन और सब्जी मंडी के प्रतिनिधियों से मंडी के आसपास अतिक्रमण और वाहनों से जाम की स्थिति बनने को लेकर विस्तार से बात की। उल्लेखनीय है कि सब्जी मंडी के आसपास अव्यवस्थाओं का मामला उच्च न्यायालय में विचाराधीन है। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायालय द्वारा जिला प्रशासनिक अधिकारियों को मौके पर जाकर वास्तुस्थिति स्थिति जानने के निर्देश जारी किए हुए हैं। न्यायालय के निदेर्शानुसार डीसी श्री कौशिक बुधवार को सुबह शहरी स्थानीय निकाय, मार्केट कमेटी और यातायात पुलिस के अधिकारियों को साथ लेकर सब्जी

मंडी परिसर पहुंचे। यहां पर विकास नगर रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन और सब्जी मंडी के प्रतिनिधियों ने अपना-अपना पक्ष रखा। विकास नगर के प्रतिनिधि ने बताया कि विकास नगर के साथ लगते रोड पर अतिक्रमण और वाहनों से जाम के चलते यहां के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा मंडी के आसपास क्षेत्र में सभी सडकों पर कचरे का आलम रहता है, जिससे दुर्गंध आती रहती है और संक्रामक बीमारियां फैलने की आशंका बनी रहती है। वहीं दूसरी ओर सब्जी मंडी प्रतिनिधियों ने भी उपायुक्त के समक्ष अपना पक्ष रखा और कहा कि वे जिला प्रशासन के साथ हैं तथा मंडी में सही व्यवस्था बनाने में प्रशासन का हर संभव सहयोग करने को तैयार हैं।

उपायुक्त ने अधिकारियों के साथ सब्जी मंडी परिसर के चारों ओर स्थिति का निरीक्षण किया और यहां पर बनने वाली गंदगी के आलम और जाम की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बाय कायदा मंडी के नक्शे को बीमारी कैसे देखा और अधिकारियों से मंडी के वास्तविक दायरे की स्थिति के बारे में जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि मंडी या आसपास क्षेत्र में कहीं भी अतिक्रमण करना गैरकानूनी है और यह सभी के लिए समान रूप से लागू है। उन्होंने मार्केट कमेटी और शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारियों को मंडी परिसर में नियमित रूप से सफाई व्यवस्था करने के निर्देश दिए। यातायात पुलिस को निर्देश दिए कि यहां वाहनों से जाम की स्थिति ने बनने पाए।

सब्जी मंडी के आसपास गंदगी फैलाने से होती है शहर की सुंदरता खराबः डीसी

सब्जी मंडी के निरीक्षण के दौरान डीसी ने कहा कि रोहतक मार्ग राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और हरियाणा की राजधानी चंडीगढ़ से आने वाला शहर का मुख्य मार्ग है। यहां पर रोड़ अपने आप बयां कर देता है कि यह शहर कैसा है। ऐसे में यहां के निवासियों को इस बात के प्रति गंभीर होना चाहिए कि मंडी तथा आसपास परिसर में गंदगी न फैलाएं ताकि शहर की सुंदरता ना बिगड़े और बाहर से आने वाले लोग यहां के निवासियों की तारीफ करें। उन्होंने कहा कि अपने घर तथा आसपास क्षेत्र में सफाई रखना स्वयं के ही हाथ में होता है।

युवाओं को नशा न करने के प्रति जागरूक करना बहुत जरूरी है: डीसी

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 18 जून। डीसी महावीर कौशिक की अध्यक्षता में बुधवार को स्थानीय लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हाल में रेडक्रास सोसायटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में उपायुक्त ने जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उपायुक्त ने रेडक्रॉस, पंचायत विभाग, डीआइटीएस, खाद्य आपूर्ति विभाग व स्वास्थ्य विभाग को आपसी सामंजस्य बनाकर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए। उपायुक्त श्री कौशिक ने रेडक्रॉस अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे जिला में डोर-टू डोर सर्वे कर 60 साल से ऊपर के लोगों के समक्ष स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों की पहचान करें ताकि उनका मेडिकल चैकअप करवा कर उनको जरूरत के अनुरूप सहायक उपकरण आदि मुहैया करवाए जा सकें। उन्होंने कहा कि सहायक उपकरण व कृत्रिम अंग मुहैया करवाने में धनराशि की कोई कमी नही आने दी जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि वे गांवों में जागरूकता अभियान चलाकर युवाओं को ड्रग का सेवन या किसी भी प्रकार का नशा न करने के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि स्कूलों के साथ-साथ आंगनवाड़ी केंद्रों में स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया जाए, ताकि छोटे व बड़े बच्चों के स्वास्थ्य की जांच हो सके। बच्चों को एनीमिया से मुक्ति के लिए उनको सही पोषण के बारे में बताना जरूरी है। उपायुक्त श्री कौशिक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे विद्यार्थियों को योगासन, प्राणायाम के प्रति जागरूक करें ताकि युवाओं में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढाया जा सके, जो सबसे जरूरी है।

बैठक के दौरान रेडक्रॉस सचिव प्रदीप हुडा ने रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रक्तदान सेवाओं के तहत 2022-23 में 145 कैम्प लगाकर 4225 रक्त इकाईयां, 2023-24 में 163 कैम्प लगाकर 4777 रक्त इकाईयां तथा 2024-25 में 158 कैम्प लगाकर 5122 रक्त इकाईयां एकत्रित की हैं। इसी प्रकार से टीआई प्रोजेक्ट के तहत 2024-25 में उच्च जोखिम समूह की 711 महिलाओं को चिन्हित कर चिकित्सा एवं टेस्ट करवाएं। प्राथमिक सहायता प्रशिक्षण के तहत अनेक प्रकार के निःशुल्क प्रशिक्षण करवाएं गए है। दिव्यांगों को सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग वितरण कार्यक्रम के तहत जिलेभर से 498 दिव्यांगजन चिन्हित कर एक करोड़ 73 लाख 29 हजार 314 रुपए के 894 सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग वितरित किए गए हैं।

बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. मुनीष नागपाल, लोहारू के एसडीएम मनोज दलाल, सिवानी की एसडीएम विजया मलिक, नगराधीश अनिल कुमार, सिविल सर्जन डॉ. रघुबीर शांडिल्य, जिला शिक्षा अधिकारी निर्मल दहिया, डीएफएससी प्रदीप कौशिक, डीआईओ अमित लांबा के अलावा संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

तोशाम में दो दिवसीय छठा श्री श्याम महोत्सव आज से, सांसद धर्मवीर सिंह करेंगे शिरकत

हरियाणा वाटिका/दीपक माहेश्वरी

तोशाम, 18 जून। श्री श्याम मंदिर सेवा समिति तोशाम द्वारा दो दिवसीय छठा श्री श्याम महोत्सव तोशाम में आज से धूमधाम से मनाया जाएगा, जिसमें भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद धर्मवीर सिंह बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। इस दौरान आयोजित जागरण में दूर-दराज के क्षेत्र से आए हुए विभिन्न गायक कलाकार बाबा श्याम का गुणगान करेंगे। यह कार्यक्रम बाबा मुंगीपा धाम तोशाम के महंत नानहा महाराज, श्री श्याम मंदिर पुजारी ज्योतिष आचार्य कुंज बिहारी शास्त्री तथा श्री श्याम भक्त रामपाल महाराज कारी मोद वाले के पावन सानिध्य में आयोजित किया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए श्री श्याम मंदिर सेवा समिति के संरक्षक धर्मवीर नेहरा एवं राजकुमार जिंदल भेरा वाले ने बताया कि बाबा मुंगीपा पहाड़ी पर स्थित बाबा खाटू श्याम मंदिर की संचालक श्री श्याम मंदिर सेवा समिति तोशाम द्वारा हर वर्ष 20 जून को मंदिर का स्थापना दिवस श्री श्याम महोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसी कड़ी में अबकी बार भी मंदिर समिति द्वारा तोशाम में दो दिवसीय छठा श्री

श्याम महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। जिसके तहत 19 जून को शाम 4:15 बजे बाबा मुंगीपा पहाड़ी पर स्थित श्री श्याम मंदिर से सैकड़ो सतरंगी ध्वजाओं के साथ कस्बे में निशान यात्रा निकाली जाएगी जोकी गाजे-बाजे के साथ कस्बे के मुख्य बाजार से होते हुए कार्यक्रम स्थल नई अनाज मंडी पहुंचेगी। इस सतरंगी ध्वजा यात्रा व नगर परिक्रमा का शुभारंभ, ध्वजा पूजन व दीप प्रज्वलन के साथ संजय कुमार बुडाकिया करेंगे। तत्पश्चात 20 जून को रात्रि 8:15 बजे नई अनाज मंडी में बाबा खाटू श्याम का भव्य जागरण आयोजित होगा। इस दौरान बहल के पूर्व सरपंच तथा प्रमुख समाजसेवी गजानंद अग्रवाल दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे तो कार्यक्रम में तोशाम के लाडले एवं कैनविन फाउंडेशन के सह संस्थापक तथा प्रमुख समाजसेवी नवीन गोयल तथा प्रमुख समाजसेवी विनय मंगल गुरुग्राम से तोशाम कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचेंगे। इस दौरान महम के पूर्व विधायक बाली पहलवान, नारनौंद के विधायक जससी पेटवाड़ तथा महल के पूर्व विधायक बलराज कुंडू कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि पहुंचेंगे तो श्याम भक्त एवं तोशाम के पीएस नवयुग विद्यालय के निदेशक देवेंद्र पायल, प्रसिद्ध समाजसेवी सुनील कुमार दहिया डाडम वाले तथा तोशाम के गोयल नर्सिंग होम के संचालक डॉ. ओपी गोयल कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत करेंगे। कार्यक्रम में श्याम भक्त दिनेश शर्मा मीरान वाले तथा श्याम भक्त राजकुमार बंसल ढाणी माहू वाले बतौर स्वागत अध्यक्ष मौजूद रहेंगे। इस मौके पर प्रसिद्ध गायक कलाकार जयपुर निवासी उमा लहरी, गुरुग्राम निवासी शुभम ठाकरान, दिल्ली निवासी प्रिया-प्राची आदि सहित अनेक गायक अपनी मधुर वाणी से बाबा खाटू श्याम के भजनों की गंगा प्रवाहित करते हुए बाबा का गुणगान करेंगे। वहीं दिल्ली का नरेश म्यूजिकल ग्रुप अपनी कला सहित म्यूजिक के द्वारा जागरण में चार चांद लगाएगा तो मंच संचालन की जिम्मेवारी पवन गेरा निभाएंगे। इस दौरान अटूट भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें अनेक श्रद्धालुगण बाबा खाटू श्याम का प्रसाद ग्रहण करेंगे। जागरण के दौरान इत्र वर्षा, बाबा खाटू श्याम का अलौकिक श्रृंगार, फूलों की होली तथा 56 भोग विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

अपराध मुक्त अभियान की बड़ी सफलता: तीन स्नैचर दो घंटे में दबोचे गए

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया, 18 जून। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निदेर्शानुसार चलाए जा रहे अपराध मुक्त अभियान के तहत, डीएसपी रतिया नरसिंह के कुशल नेतृत्व में थाना शहर रतिया पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मात्र दो घंटों में लूट की एक गंभीर वारदात को सुलझा लिया है।

रतिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत बड़ी नहर के पास एक युवक से बर्फ तोड़ने वाले सूए से हमला कर ?3000 की नकदी लूटने वाले तीन स्नैचरों को काबू कर लिया गया है।

काबू किए गए आरोपियों की पहचान साहिल उर्फ सागर पुत्र कृष्ण चंद, नंदू पुत्र उदयभान व अक्षय उर्फ गप्पड़ पुत्र राकेश सभी निवासी शिमलापुरी, रतिया के रुप मे हुई है।

आरोपियों ने शिकायतकर्ता कुलदीप सिंह, निवासी रत्ताखेड़ा, का रास्ता रोककर पहले उस पर बर्फ तोड़ने वाले सूए से हमला किया और उसे घायल कर ?3000 की नकदी छीन ली। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

थाना शहर रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक रणजीत सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए तकनीकी व गुप्त सूचनाओं के आधार पर तीनों आरोपियों को काबू कर लिया।

आरोपियों के कब्जे से लूटी गई नकदी और वारदात में प्रयोग किया गया हथियार को बरामद करने हेतु गहनता से पुछताछ जारी है तथा इस वारदात में किसी अन्य की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। उक्त मामले में थाना शहर रतिया में गंभीर आपराधिक धाराओं के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है।

भ्रष्टाचार करने वालों पर हो सख्त कार्रवाई: सैनी

नप में भ्रष्टाचार के खिलाफ धरना दूसरे दिन भी जारी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 18 जून। नगरपरिषद के अफसरों द्वारा मिलीभगत करके शिवपुरी के निर्माण के लिए 02 करोड़ 20 लाख रुपए की राशि का भुगतान किए जाने के खिलाफ पूर्व नगर पार्षद सुशील सैनी का शिवपुरी में अनिश्चितकालीन सांकेतिक धरना आज दूसरे दिन भी जारी रहा।
पूर्व पार्षद सुशील सैनी ने भाजपा नेता पर नगरपरिषद व शहरवासियों के सहयोग की राशि से शिवपुरी के निर्माण कार्य करवाने में धांधली करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने नगरपरिषद के दो करोड़ 20 लाख रुपए की पेमेंट ठेकेदारों से वसूलने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह काम भाजपा नेता ने खुद करवाने की बात कही थी। शहर से भी करोड़ों रुपए एकत्रित किए गए लेकिन काम कुछ नहीं हुआ। इस नेता के कारिंदे मिलीभगत करके पैसा डकारने का काम कर रहे हैं।
धरने का समर्थन करने पहुंचे नवीन केडिया ने कहा कि शहर के जिन गणमान्य लोगों ने शिवपुरी का निर्माण कार्य करवाने के लिए दान दिया था, वे अपना हिसाब मांगें लेकिन वे नगर परिषद को टैक्स देते हैं और सिरसा शहर के निवासी हैं,

इसलिए नगरपरिषद के पैसे का हिसाब मांगने का अधिकार रखते हैं। केडिया ने कहा कि नगर परिषद में व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार हो रहा है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही। उन्होंने कहा कि उनके पास इसके सबूत भी हैं। खैरपुर व बाजेकां शिवपुरी के प्रधान अमीर चावला ने भी नगरपरिषद के घोटाले की जांच करने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि शिवपुरी के स्थान से लोगों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं। हर अमीर-गरीब और हर जाति के लोग यहां आते हैं। सुशील सैनी ने उपायुक्त से मांग की कि नगर परिषद से लिए गए 02 करोड़ 20 लाख रुपए की राशि की जांच करवाई जाए कि वह कहां खर्च की गई। जिन अधिकारियों की मिलीभगत से यह काम हुआ, उन पर सख्त एक्शन होना चाहिए।

न्यूज फ्लैश

निजीकरण के खिलाफ व लंबित मांगों को लेकर लाखों बिजली कर्मी करेंगे राष्ट्रव्यापी हड़ताल

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 18 जून। ऑल हरियाणा पॉवर कारपोरेशन वर्कर्स यूनियन की मीटिंग स्थानीय बीटीएम चौक स्थित सिटी डिवीजन बिजली बोर्ड के रैस्ट हाऊस में किया गया। बैठक की अध्यक्षता सिटी यूनिट प्रधान रविंद्र यादव व संचालन राजेश दुल्हेड़ी ने किया। बैठक को राज्य ऑडिटर धर्मबीर भाटी, राज्य उपप्रधान राजेश सांगवान, राज्य सचिव लोकेश, राज्य कमेटी सदस्य चांदराम, विजय जांगड़ा, सर्कल सचिव अशोक गोयत ने संयुक्त रूप से संबोधित किया। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि बिजली निजीकरण की प्रक्रिया के खिलाफ और कर्मचारी की लंबित मांगों जैसे ठेका संविदा, कर्मियों को नियमित करने, ओपीएस बहाली, 8वें पे-कमीशन की अधिसूचना जारी करने सहित अन्य मांगों को लेकर 9 जुलाई की राष्ट्रव्यापी हड़ताल में शामिल होने का फैसला लिया है। उन्होंने बताया कि 9 जुलाई की राष्ट्रव्यापी हड़ताल में देश भर से लाखों बिजली कर्मी भाग, जिसमें भिवानी से भी बिजली कर्मी बढ़-चढकर हिस्सा लेंगे तथा अपनी हितों की आवाज बुलंद करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार बिजली कर्मचारियों के हितों से खिलवाड़ कर उनके भविष्य को अंधकार में धकेलने का काम कर रही है, जिसके चलते बिजली कर्मियों में रोष है। उन्होंने कहा कि बिजली कर्मी कई बार सरकार को उनकी मांगों से अवगत करवा चुके है, लेकिन सरकार उनकी मांगों की तरफ ध्यान नहीं दे रही तथा कर्मियों व जनता के हितों को दरकिनार कर उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने की नीति बना रही है। इसी के विरोध में 9 जुलाई को बिजली कर्मचारी राष्ट्रव्यापी हड़ताल में हिस्सा लेंगे तथा अपने हितों की आवाज को बुलंद करने का काम करेंगे।

ऑल इंडिया कार डीलर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सुनी डीलर्स की समस्या

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया, 18 जून। ऑल इंडिया कार डीलर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.एस.नयोल आज रतिया पहुंचे। इस दौरान उन्होंने शहर के टोहाना रोड पर स्थित न्यू गुरूजी कार बाजार के संचालक संदीप ग्रोवर सन्नी के कार्यालय में डीलर्स के व्यापार से संबंधित विभिन्न समस्याओं और उनके समाधान को लेकर विचार रखे। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनका संगठन व्यापारियों की परेशानियों को दूर करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा। उन्होंने विशेष रूप से ट्रेड लाइसैंस बनवाने में आ रही दिक्कतों, जी.एस.टी. प्रणाली में खामियों को दूर करने और साथ ही कार खरीदने और बेचने की प्रक्रिया को सरल और सुरक्षित बनाने के लिए भी आवश्यक कदम उठाने पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि ऑल इंडिया कार डीलर एसोसिएशन एक राष्ट्रीय स्तर का संगठन है, जो भारत में कार डीलरों के हितों का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन डीलरों को एक साथ लाने, उनकी चिंताओं को संबोधित करने और उनके व्यवसाय को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए काम करता है। इस अवसर पर संदीप ग्रोवर ने परिचय करवाते हुए बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के मार्गदर्शन में संगठन निरंतर प्रगति कर रहा है और आगे भी पूरी निष्ठा से कार्य करता रहेगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा के डीलर्स भी इस संगठन के साथ जुड़ कर अपने व्यापार का उत्थान कर रहे हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अनेक डीलरों को संगठन की तरफ से नए सर्टिफिकेट भी वितरीत किए। इस अवसर पर गुरप्रीत सिंह, आत्मा सैनी, संदीप सिंह, जगदीप, नरेंद्र संधू, रमेश अरोड़ा, भाविक गोयल आदि मौजूद थे।

पुराना बाजार में छोटे बच्चों ने लगाई मीठे पानी की छबील

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया, 18 जून। तपती गर्मी के मौसम में रतिया के पुराना बाजार में छोटे बच्चों ने मिलकर ठंडे मीठे पानी की छबील लगाकर राहगीरों को ठंडा पानी पिलाकर गर्मी से राहत प्रदान की। छोटे बच्चों की इस पहल से समाज सेवा और सहयोग की भावना को भी बढ़ावा मिलता है।तपती गर्मी में छबील लगाकर राहगीरों की पानी पीला कर प्यास बुझाना सेवा भाव है। इससे छोटे बच्चों का मनोबल बढ़ाता है। जिस से आत्मविश्वास व सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है। इस अवसर पर तुषार बंसल,हर्ष सेठी,अभिनंदन, बादल,ईशान,रोहन,सहित अन्य बच्चे मौजूद थे।

महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधित योजनाओं का लाभ दिलवाना करें सुनिश्चित: एडीसी

बैठक में एडीसी डॉ. मुनीष नागपाल ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 18 जून। एडीसी डॉ. मुनीष नागपाल की अध्यक्षता में स्थानीय लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हाल में स्वास्थ्य विभाग की गवर्निंग कौंसिल, सुरक्षित मातृत्व श्वासन, मैटरनल डेथ मामले की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधित योजनाओं का लाभ दिलवाना सुनिश्चित करें।
डॉ. मुनीष नागपाल ने बैठक में शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, आईएमए/आईएपी आयुष, शहरी निकाय, म्युनिसिपल समिति, व्यापार मंडल, चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय व आदर्श महिला महाविद्यालय आदि विभागों के प्रतिनिधियों के साथ विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने शिक्षा, महिला एवं बाल विकास व स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि वे सभी एकजुट होकर आपसी सामंजस्य स्थापित करके स्वास्थ्य से संबंधित सभी अभियानों को सफल बनाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि जिला की सभी गर्भवती महिलाओं को सरकार द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही सभी निःशुल्क सुविधाएं देना

सुनिश्चित करें ताकि मैटरनल डेथ रेट में कमी लाई जा सके। उन्होंने निर्देश दिए कि सरकार द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य से संबंधित चलाई जा रही सभी स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में आमजन को जागरूक किया जाए ताकि अधिक से अधिक महिलाएं लाभान्वित हो सकें।
उप सिविल सर्जन एनएचएम डॉ. दीपक ने एडीसी को बताया कि प्रदेश सरकार के निदेर्शानुसार सुरक्षित मातृत्व आश्वासन कार्यक्रम के तहत प्रत्येक गर्भवती महिला को प्रसव संबंधित सभी सुविधाएं जिला के सभी स्वास्थ्य संस्थान में निशुल्क उपलब्ध करवाई जा रही हैं। सभी गर्भवती महिलाओं को ये सभी निःशुल्क सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए गर्भवती होने के 10 सप्ताह के अन्दर-अन्दर पंजीकरण (आरसीएच आईडी) करवाना आवश्यक है। यह पंजीकरण कोई भी गर्भवती महिला अपने नजदीकी स्वास्थ्य संस्था में जाकर करवा सकती है अथवा किसी भी आशा कार्यकर्ता या एएनएम के माध्यम से भी यह पंजीकरण कराया जा सकता है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने प्रत्येक ऐसी गर्भवती महिला की पहचान कर रखी है, जिनकी एक या एक से अधिक जीवित लडकी है या उच्च जोखिम प्रसव वर्ग में शामिल है, उन्हें आशा वर्कर/ एएनएम/आंगनबाडी वर्कर के रूप में सहेली भी उपलब्ध करवाई गई है जो पूरी अवस्था के दौरान उनकी देखभाल करेगी। जिले में अवैध गर्भपात व भ्रूण जांच की रोकथाम में महत्वपूर्ण भागीदारी भी निभाएगी। उन्होंने बताया कि अवैध गर्भपात व भ्रूण जांच को रोकने हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियमित रूप से रेड भी की जा रही है।
उन्होंने बताया कि सभी गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान कम से कम चार एएनसी विजिट एवं प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत प्रत्येक माह की 9, 10 या 23 तारीख को नजदीकी स्वास्थ्य संस्था में जांच करवाना आवश्यक है। इसके अलावा उच्च जोखिम प्रसव वर्ग महिलाओं को महिला रोग विशेषज्ञ द्वारा जांच करवाना भी आवश्यक है, जिससे कि उन्हें सभी आवश्यक जांच एवं उपचार की सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सके।
इस दौरान कार्यवाहक प्रधान चिकित्सा अधिकारी डॉ. बलवान, महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. सुनीता, डॉ. नवीन घोष, जिला कार्यक्रम प्रबंधक विकास आर्य सहित अनेक चिकित्सा अधिकारी तथा अन्य विभागों से अधिकारी उपस्थित थे।

यूटयूबर पर यौन प्रताडना का आरोप, केस दर्ज

महिला बोली, ड्रग्स देकर करता था अप्राकृतिक यौन शोषण

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 18 जून। जिला के एक यूटयूबर पर उसकी पत्नी ने अप्राकृतिक यौन प्रताडना का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि आरोपी ने शादी के समय उनके घरवालों को बड़ा यूटयूबर बताया था और दावा किया कि हर महीने 40 से 50 हजार रुपए कमाता है। इस वजह से रिश्ता पक्का हो गया और उसकी शादी कर दी।
मगर बाद में वह उसे बार-बार परेशान करने लगा। अक्सर घर से बाहर जाता था और आरोप है कि उसके अन्य महिला के साथ भी अवैध संबंध थे। जानकारी के अनसुार महिला थाना पुलिस ने आरोपी पति हिसार के बालसमंद क्षेत्र की हरियाणा सीमा से साथ लगते गांव गालड़ शक्ति सिंह, सास महेंद्र देवी, ससुर हरिराम, महिला नीतू और हिसार के मिंगनीखेड़ा गांव की कृष्णा सहित सात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।
2022 में हुई थी शादी:
पुलिस को दी शिकायत में सिरसा जिले के नाथूसरी कलां निवासी महिला रेनू ने बताया कि उसकी शादी बीती 14 दिसंबर 2022 को राजस्थान के चुरू जिले के गांव गालड़ निवासी शक्ति सिंह के साथ हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद पति शक्ति बोला कि वह यूटयूबर है और महीने 40 से 50 हजार रुपए कमाता है। उसके मायकेवालों ने शादी में 12 लाख रुपए खर्च किए थे। इस पर पति बोला कि 21 लाख खर्च करने थे। उसे दो-दो तोला की अंगूठी और चैन डालनी थी और गाड़ी देनी थी। उसकी बेईजती करवा दी। सास महेंद्र देवी भी सूटों को लेकर ताना मारने लगी। शादी में दिए दान दहेज से ससुराल वाले खुश नहीं थे।
उसकी देवरानी नीतू उसके पति को भडकाती है और अन्य महिला के साथ उसके पति का लिव-इन-रिलेशनशिप चल रहा है। देवरानी उसके पति का अन्य महिला से विवाह करवाना चाहती है।
ड्रग्स लाकर देता और यौन शोषण करता:
महिला का आरोप है कि उसका पति उसे ड्रग्स लाकर देता और डराकर उसके साथ अप्राकृतिक यौन प्रताड?ा करता। बीती 22 सितंबर 2023 को उसने डॉक्टर से चेकअप करा दवा लाकर दी और घर पर ही गर्भपात करवा दिया। यहीं नहीं दहेज के नाम पर उन सभी ने उसे पीटा और बाद में घर से निकाल दिया। उनके बीच कई बार पंचायती समझौते हुए, पर वह नहीं माने। अगस्त 2024 में भी पंचायत हुई और उन्होंने अपने पास रखने से मना कर दिया। ऐसे में उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं: एयर कमोडोर

विश्व रक्तदान दिवस पर 108 यूनिट रक्त एकत्रित

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 18 जून। एयरफोर्स स्टेशन में विश्व रक्तदान दिवस पर वरदान ब्लड बैंक की ओर से रक्तदान शिविर लगाया गया।
दिनेश बगडि?ा ने बताया कि कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि एयर कमोडोर रोहित कपिल और राधिका कपिल ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता विंग कमांडर तपस्या बिश्नोई ने की। इस मौके पर समन्वयक अधिकारी लाइट लेफ्टिनेंट साक्षत शर्मा, समन्वयक सार्जेंट अजय कुमार साह एवं सार्जेंट श्रीकांत ढाली टीम

सहित मौजूद थे। मुख्यातिथि एयर कमोडोर रोहित कपिल ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। उन्होंने कहा कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है। इसे किसी फैक्ट्री में पैदा नहीं किया जा सकता। रक्तदान ही इसका एकमात्र विकल्प है। उन्होंने कहा कि रक्तदान से शरीर में किसी प्रकार की कमजोरी नहीं आती। मात्र एक सप्ताह के बेहतर खानपान से इसकी पूर्ति हो जाती है। उन्होंने आमजन का आह्वान किया कि वे प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति साल में कम से कम दो बार अवश्य रक्तदान करे। इस मौके पर उन्होंने अपनी धर्मपत्नी के साथ रक्तदान भी किया। शिविर में 108 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। वरदान ब्लड बैंक की तरफ से दिनेश बगडि?ा ने एयरफोर्स के रक्तवीर जवानों को प्रशस्ति पत्र के साथ कॉफी मग भेंट कर सम्मानित किया।

चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने सचिवालय और डीसी कार्यालय का औचक दौरा किया

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
चंडीगढ़, 18 जून। नागरिक-केंद्रित शासन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पंजाब के राज्यपाल और यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने आज निर्धारित जन शिकायत समय के दौरान यूटी सचिवालय और डिप्टी कमिश्नर कार्यालय का औचक दौरा किया।
यह दौरा प्रशासक के पहले के निर्देश के अनुसार, हर बुधवार को सुबह

10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक मनाए जाने वाले साप्ताहिक जन संपर्क विंडो के दौरान हुआ। इस पहल के तहत सभी अधिकारियों को इस समय के दौरान अपने कार्यालयों में उपस्थित रहकर जन शिकायतों का समाधान करने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे इन घंटों के दौरान आंतरिक बैठकें करने से बचें, जब तक कि असाधारण परिस्थितियाँ न हों।

आईकू ने लॉन्च किया आईकू जेड10 लाइट 5जी

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
हिसार, 18 जून। हाई-परफॉर्मेंस स्मार्टफोन ब्रांड आईकू ने आज अपना लेटेस्ट ऑफरिंग आईकू जेड10 लाइट 5जी लॉन्च किया। यह स्मार्टफोन खास तौर पर आज के यूथ को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। कॉलेज स्टूडेंट्स से लेकर उन यूजर्स तक जो एक किफायती 5जी स्मार्टफोन में अपग्रेड करना चाहते हैं। यह डिवाइस बिंज-वॉचिंग, सोशल स्क्रॉलिंग और ऑनलाइन लेक्चर्स जैसे एक्टिविटीज के लिए फुली लोडेड एंटरटेनमेंट एक्सपीरियंस देता है। स्टाइलिश डिजाइन में फंक्शनल फीचर्स के साथ, जेड10 लाइट 5जी एक स्मार्ट और रिलायबल कंपैनियन बनता है।
सेगमेंट की सबसे बड़ी 6000एमएएच बैटरी के साथ आने वाला यह डिवाइस नॉन-स्टॉप एंटरटेनमेंट के लिए तैयार है। यह मीडियाटेक डाइमेंसिटी 6300 5जी प्रोसेसर से पावर्ड है, जो स्मूथ 5जी कनेक्टिविटी और आईपी64 डस्ट वॉटर रेसिस्टेंस के साथ बेहतरीन परफॉर्मेंस देता है। यह स्मार्टफोन साइबर ग्रीन और टाइटेनियम ब्लू रंगों में उपलब्ध होगा और इसकी पहली सेल 25 जून से आईकू ई-स्टोर और ऐमेजॉन.इन पर लाइव होगी। इसके साथ एसबीआई क्रेडिट/डेबिट कार्ड पर 500 रुपए का फ्लैट इंस्टेंट डिस्काउंट भी मिलेगा।
आईकू के सीईओ निपुण मार्या ने कहा कि आईकू जेड10 लाइट के साथ हमारा उद्देश्य एक ऐसा फोन बनाना था जो युवा भारत की लाइफस्टाइल को समझे। चाहे वो बिंज-वॉचिंग हो या सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना - यह 5जी स्मार्टफोन हर जगह साथ निभाएगा। 6000एमएएच की मैसिव बैटरी और फुली लोडेड फीचर सेट के साथ, यह कॉलेज स्टूडेंट्स के लिए एक परफेक्ट कंपैनियन है जो बिना किसी कॉम्प्रोमाइज के सब कुछ चाहते हैं।

डिनो मॉल कार्निवाल की खरड़ में शुरूआत

हरियाणा वाटिका/प्रवीन कुमार
चंडीगढ़, 18 जून। भव्य व आकर्षक प्रवेश द्वार, होम डेकोर, फूड स्टाल्स, बच्चों व बड़ों के मनोरंजन के लिए झूले और फूड कोर्ट इत्यादि ये सब लोगों का मनोरंजन करेंगे, मुंडी खरड़ में गिलको हीरा कंडा ग्राउंड में आर आर क्रिएटिव द्वारा आयोजित डिनो मॉल कार्निवाल 2025 में।
अर आर क्रिएटिव के सह संचालक संजय कुमार और संजीव कुमार ने बताया कि जून महीने में बच्चों के स्कूल में ग्रीष्मकालीन अवकाश की शुरूआत हो जाती है, इस दौरान बच्चे मौज मस्ती और मनोरंजन ढूंढते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए कार्निवाल लगाया गया है। कार्निवाल का नाम डिनो मॉल कार्निवाल सुनते ही बच्चों और उनके अभिभावकों में उत्साह और उमंग जागृत हो जाती है। उन्होंने बताया कि कार्निवाल में आने वालो लोगों खासकर बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र बनने वाले किंगकांग का भव्य प्रवेश द्वार तैयार किया गया है। डिनो मॉल कार्निवाल-2025, जून 17 2025 से आरंभ होकर 15 जुलाई, 2025 तक गिलको के साथ लगते हीरा कंडा ग्राउंड में यह कार्निवल आयोजित किया जा रहा है।

जिला से दो युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 18 जून। जिला में अलग-अलग स्थानों से दो युवतियां संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई।
पुलिस को दी शिकायत में पहले मामले में गांव शाहपुर बेगू निवासी युवती के परिजनों ने बताया कि बीती 17 जून की सुबह उनकी बेटी चप्पल लेने के लिए सिरसा गई थी, लेकिन उसके बाद से वापस नहीं लौटी। दूसरे मामले में गांव कोटली निवासी युवती के परिजनों ने बताया कि बीती 16 जून की रात को परिवार के लोग खाना खाकर सो गए। देर रात को उनकी बेटी अचानक घर से लापता हो गई। उन्होंने अपने स्तर पर आस पड़ोस व रिश्तेदारी में काफी तलाश की, लेकिन युवतियों का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

खेतों से हजारों रुपए की केबल चोरी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 18 जून। गांव अभोली स्थित हैफेड ढाणी निवासी किसान के खेतों से चोर हजारों रुपए की केबल चोरी कर ले गए।
पुलिस को दी शिकायत में खेत मालिक सतप्रकाश ने बताया कि बीती 15 जून की शाम को वह खेतों से घर आ गया। देर रात्रि को चोरों ने खेतों में घुसकर उसके ट्यूबवैल की करीब 400 फुट लंबी केबल चोरी कर ली। सुबह जब वह खेतों में गया तो उसे घटना के बारे में पता चला। उसने अपने स्तर पर आसपास के किसानों से पूछताछ की, लेकिन केबल का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद उसने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

आईटीआई भिवानी में रोजगार मेला 27 जून को

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 18 जून। डीसी महावीर कौशिक ने बताया कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भिवानी परिसर में 27 जून को प्रातः 09.00 बजे रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इस रोजगार मेले में फिटर, इलेक्ट्रीशियन, टर्नर, वेल्डर, मशीनिस्ट, वायरमैन, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, ट्रैक्टर मैकेनिक, टीपीईएस., शीट मेटल, फाउंड्री मैन व्यवसायों से पास विद्यार्थी भाग ले सकते हैं।

टैकिकार्डिया को न करें नजरअंदाज

हृदयगति के प्रति मिनट 100 से अधिक होने की स्थिति टैकिकार्डिया कहलाती है। हृदय सामान्यतः प्रति मिनट 60 से 100 बार धड़कता है और कलाई, गला या अन्यत्र महसूस होने वाली नाड़ी की दर निलय (हृदय के दोनों निचले प्रकोष्ठ) के संकुचन के दर के समान होती है।

टैकिकार्डिया उत्तेजना, बुखार, तीव्र गति से खून बह जाने या कठिन व्यायामों के कारण शरीर के द्वारा होनेवाली सामान्य प्रतिक्रिया हो सकती है। यह कुछ स्वास्थ्य समस्याओं के कारण भी हो सकती है, जैसे-थायरॉयड हार्मोन का असामान्य रूप से उच्च स्तर, जिसे हायपर थायरॉयडिज्म कहते हैं। कुछ लोगों में, टैकिकार्डिया कार्डियक एरिथ्मिया (हृदय की विकृति के कारण हृदयगति के लय या रिदम में असामान्यता), कोरोनरी आर्टरी रोग या हृदय के वॉल्व में असामान्यता के कारण हो सकता है। यह फेफड़े की समस्याओं, जैसे-न्यूमोनिया या फेफड़े की किसी धमनी में खून के थक्के के कारण भी हो सकता है। दूसरे मामलों में, टैकिकार्डिया कुछ खाद्य और पेय पदार्थों का साइड इफैक्ट भी हो सकता है, जैसे-कॉफी, चाय, शराब या चॉकलेट, तंबाकू या कुछ दवाएं।

टैकिकार्डिया का पूर्वानुमान

अगर टैकिकार्डिया बुखार, खून अधिक बह जाने, हायपरथायरॉयडिज्म, किसी दवा या आहार के कारण हो तो इसका कोई दीर्घकालीन बुरा प्रभाव नहीं होता। हृदय या फेफड़ों की समस्या से जुड़े कई प्रकार के टैकिकार्डिया दवाओं, शल्यक्रिया या इलाज के दूसरे तकनीकों से ठीक हो जाते हैं।

टैकिकार्डिया के लक्षण

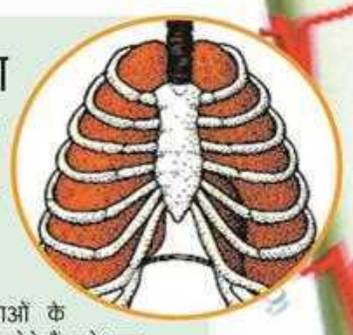

- चक्कर आना, सोचने-समझने में परेशानी और अचेत पड़ना
- थकान(असामान्य रूप से थकावट महसूस होना)
- धड़कन महसूस होना या पालपिटेशन
- सांस लेने में कठिनाई

अगर टैकिकार्डिया स्वास्थ्य समस्याओं के कारण हो तो कुछ अन्य लक्षण भी दृष्टिगत होते हैं, जो उस बीमारी से संबंधित होते हैं। उदाहरण के लिए हायपरथायरॉयडिज्म में नर्वसनेस, अनिद्रा, पसीना आना, हल्का कंपन और थायरॉयड के उच्च स्तर से जुड़े अन्य लक्षण भी प्रकट होते हैं। हृदय या फेफड़े की किसी बीमारी के कारण टैकिकार्डिया होने पर इसके साथ छाती में दर्द या सांस लेने में परेशानी और लाइटहेडनेस की समस्या हो सकती है।

कार्डियक एरिथ्मिया

इसका उपचार एरिथ्मिया के कारणों पर निर्भर करता है। कुछ लोगों में गले की मसाज से समस्या का निदान हो जाता है। अन्य लोगों को दवाओं, डिजिटेलिस (लेनोक्सिन), बीटा-ब्लॉकर्स, कैल्शियम चैनल ब्लाकर्स, क्वीनीडीन (कार्डियोक्वीन या दूसरी दवाएं) या फ्लेकैनाइड (टैंबोकोर) की आवश्यकता पड़ती है। कुछ लोगों को मात्र रेडियोफ्रिक्वेंसी कैथेटर अ'ब्लेशन से फायदा होता है। इस प्रक्रिया में हृदय के उन असामान्य ऊतकों को नष्ट कर दिया जाता है जो टैकिकार्डिया को उत्प्रेरित करते हैं। कुछ अन्य रोगियों का इलाज इलेक्ट्रोकार्डियोवर्सन के द्वारा किया जा सकता है। इलेक्ट्रोकार्डियोवर्सन ऐसी प्रक्रिया है जिसमें नियत समय तक हृदय को विद्युत का झटका दिया जाता है, ताकि यह सामान्य स्थिति को फिर से प्राप्त कर सके।

टैकिकार्डिया की संभावित अवधि

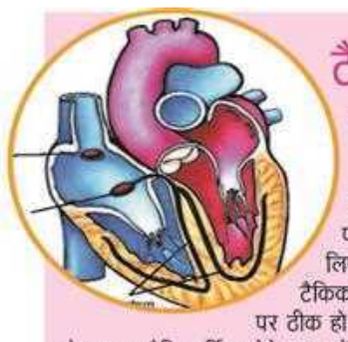

टैकिकार्डिया कितने समय तक रहता है, यह उसके कारण पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए बुखार आने के कारण टैकिकार्डिया होने पर यह बुखार उतरने पर ठीक हो जाता है। खून अधिक बह जाने के कारण टैकिकार्डिया होने पर नसों में खून या तरल चढ़ाने पर यह ठीक होता है। हायपर थायरॉयडिज्म या एड्रिनल ग्रंथियों के ट्यूमर की स्थिति का उपचार होने पर जब ये ठीक हो जाते हैं तो इनके कारण होनेवाला टैकिकार्डिया भी ठीक हो जाता है। आहार या दवाओं के कारण उत्पन्न टैकिकार्डिया से जल्दी ही निजात मिल जाती है (वास्तव में कुछ ही घंटों में, जब टैकिकार्डिया को उत्प्रेरित करने वाले रसायन शरीर से यूरीन में होकर निकल जाते हैं या इनका उपापचय हो जाता है)। हृदय रोगों के कारण होने वाला टैकिकार्डिया लंबे समय तक रह सकता है।

फेफड़े की बीमारियां

अगर टैकिकार्डिया फेफड़े में खून के थक्कों के होने के कारण होती है तो ऐसी दवाएं दी जाती हैं जिससे थक्के घुल जाएं और आगे थक्के बनने से रोका जा सके। न्यूमोनिया या ऐसी अन्य परिस्थितियों में इस प्रकार का इलाज किया जाता है। जिससे बीमारी जल्दी ठीक हो जाती है।

टैकिकार्डिया की चिकित्सा

टैकिकार्डिया के इलाज के लिए इसके कारणों का निदान आवश्यक है।

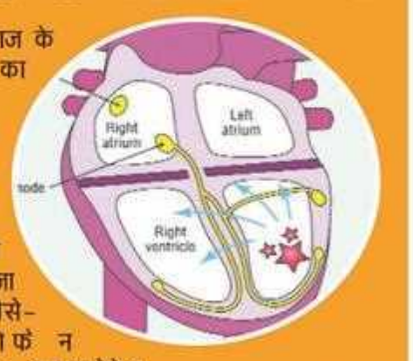

- **ज्वर** : ज्वर या बुखार से संबंधित टैकिकार्डिया के उपचार के लिए बुखार कम करने वाली दवाए ली जा सकती है, जैसे-एसिटामिनोफेन (टायलिनोल) या आइब्यूप्रोफेन (एडविल, मोट्रिन और अन्य)। अगर बुखार बैक्टीरिया के संक्रमण के कारण हुआ हो तो एंटी बायोटिक्स भी लेना आवश्यक है।
- **ब्लड लॉस** : इसके उपचार के लिए रोगी को सबसे पहले खून या इंट्रावेनस फ्लूइड चढ़ाना पड़ता है। इसके बाद रक्तस्राव के स्थान को खोजकर उसे बंद किया जा सकता है या शल्यचिकित्सा के द्वारा इसे ठीक किया जा सकता है।
- **हायपरथायरॉयडिज्म**: इसके उपचार के लिए एंटीथायरॉयड दवाएं, जैसे-प्रोपाइलथायोयूरासिल (प्रोपाइल-थायरासिल) या मेथिमाजोल (टैपाजोल) दी जाती हैं। वैकल्पिक चिकित्सा में रेडियोएक्टिव आयोडीन का उपयोग शामिल है, जो रेडीएशन के द्वारा थायरॉयड को नष्ट कर देता है या शल्यक्रिया के द्वारा थायरॉयड ग्रंथि के किसी हिस्से को हटाना, जिसे सबटोटल थायरॉयडेक्टोमी कहते हैं, को भी आजमाया जा सकता है।
- **कोरोनरी धमनी के रोग** : कोरोनरी धमनी रोग को ठीक करने के लिए दवाओं (नाइट्रेट, बीटा ब्लॉकर्स, कैल्शियम चैनल ब्लॉकर्स और एस्पिरीन), कोरोनरी धमनी की बायपास सर्जरी या बैलून एंजियोप्लास्टी की आवश्यकता पड़ सकती है।

हृदय के वॉल्व की असामान्यताएं

वॉल्व की गंभीर असामान्यताओं के निदान के लिए इन्हें शल्यक्रिया के द्वारा बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है।

नवजात स्वास्थ्य के पांच टिप्स

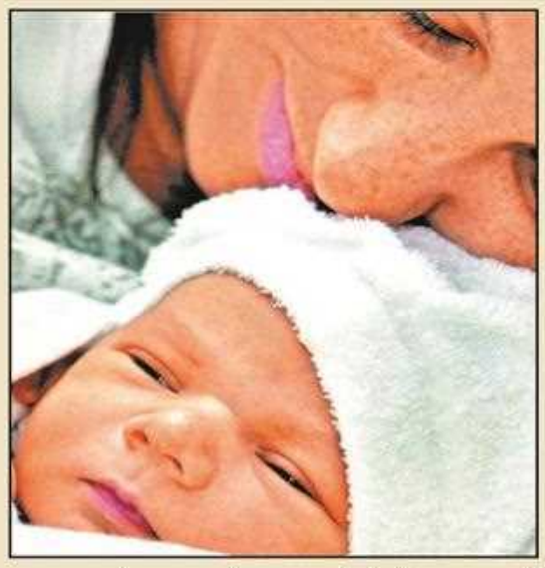

नवजात को स्वस्थ व रोगमुक्त रखने के लिए नवजात की देखभाल आवश्यक हो जाती है। ऐसे में शिशु का सम्पूर्ण स्वास्थ्य उसके जन्म से 28 दिन के बीच निर्धारित होता है। अगर आपका बच्चा अस्वस्थ है वो उसे चिकित्सक के परामर्श अनुसार नियो नेटल केयर में रखें। स्वस्थ बच्चों में भी कुछ बातों का खास ख्याल रखने की आवश्यकता होती है।

शिशु को स्तनपान कराना

मां के दूध को नवजात के लिए सर्वोत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें कोल्सिटम नामक एक पदार्थ होता है। यह पदार्थ बच्चे के स्वास्थ्य के लिए बेहद आवश्यक है।

शिशु का रोना

नवजात का रोना हमेशा चिंता की बात नहीं होती। ज्यादातर बच्चे भूख लगने पर या बिस्तर गीला करने पर रोते हैं। बच्चे के रोने पर इन बातों का ध्यान दें। अगर बच्चा लगातार रोता रहता है, तो उसे चिकित्सक को दिखाएं।

बच्चे को ढ़कना

नवजात शिशु के शरीर को हमेशा ढ़ककर रखना चाहिए क्यों कि छोटे बच्चोंक का शरीर बाहरी तापमान के अनुसार स्वरयं को नहीं ढाल पाता।

बच्चे की मालिश

छोटे बच्चों की मालिश करने से उनकी हड्डियां मजबूत बनती हैं और यह मालिश बेहद आवश्यचक है। बच्चों की मालिश के लिए बच्चों वाले तेल का ही प्रयोग करें।

बच्चे के लिए फोटोथैरेपी

बच्चे को कुछ देर धूप में ले जाने की प्रकिया को फोटोथैरेपी कहते हैं। नवजात को कुछ समय के लिए कपड़े में ढ़ककर ही धूप भी दिखाएं।

वैरीकोज वेन्स से रहें सावधान

हमारे पैरों की नसों में जब भयंकर दर्द होता है अथवा एड़ियों और पिंडलियों में जोर का दर्द होने लगता है इसे वैरीकोज वेन्स कहते हैं। यह बीमारी जल्दी ठीक नहीं होती। अगर आप इन समस्याओ से परेशान है तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लेकर उपचार करा सकते हैं।

जब त्वचा की सतह के नीचे की नसें क्षतिग्रस्त होकर उसमें सूजन और बहुत ज्यादा खून भरता है, तब उसे अपस्फित नसें कहते हैं। नसें ऐसी रक्त वाहिका है, जो दिल में खून वापस ले जाती हैं। धमनियां रक्त को दिल से दूर शरीर के बाकी हिस्सों में पहुंचाती है। अपस्फित नसें सबसे अधिक पैरों में होती हैं। 50 फीसदी मामलों में ये हालत वंशानुगत होती हैं। अन्य मामलों में गर्भावस्था में रक्त के दबाव में परिवर्तन या मोटापे से संबंधित होकर यह खून को दिल में वापस प्रवाहित करने में रुकावट लाती है और नसों में खून के रुकने की प्रवृत्ति बढ़ती है। इससे बीमारी तेजी से बढ़ती जाती है।

नसों में खून की रुकावट

इसके अलावा लगातार कई घंटों तक खड़े रहने से भी यह समस्या उत्पन्न होती है। जैसे नौकरानी, वेटर, नर्सों, युवा बच्चों के साथ माताओं के नसों को ज्यादा समय तक गुरुत्वाकर्षण के खिलाफ़ काम करने को मजबूर किया जाता है, जिससे दबाव संबंधित शिरा और वाल्व क्षति का खतरा बढ़ सकता है। इलास्टिक बंध और घुटने तक ऊंचे मोजों से भी अपस्फित नसों का खतरा बढ़ सकता है। यदि उसका तंग इलास्टिक पैरों के रक्त प्रवाह को धीमा करते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में 15 फीसदी वयस्कों में अपस्फित नसें होती हैं और ये पुरुषों की तुलना में 2 से 3 गुना अधिक महिलाओं में पाई जाती हैं। हालांकि अपस्फित नसों को अक्सर पैरों में देखा जाता है। वे गर्भावस्था के दौरान या बवासीर के रूप में गुदा के आसपास भी हो सकती हैं। अपस्फित नसें

पहले से रक्त के थक्के एक या दोनों पैरों की गहरी नसों में क्षति के साथ जुड़ा हो सकता है। जब हम ज्यादा देर तक काम करते रहते हैं तो भी नसों पर दबाव पड़ता है। जब ऐसा होता है, तब नसें प्रभावी ढंग से रक्त को दिल में वापस स्थानांतरित करने की क्षमता खो देती हैं। जिसके कारण पैर में सूजन और त्वचा पर घाव हो सकते हैं।

बीमारी की संभावित अवधि

अपस्फीत नसें एक दीर्घकालिक समस्या है, लेकिन लक्षण आते और जाते रह सकते हैं। यदि आप गर्भवती हैं और अपस्फीत नसों के कारण गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो प्रसव के बाद के लक्षणों में सुधार होगा। हालांकि, ये शायद पूरी तरह से ठीक नही होगी और आप भविष्य के गर्भधारण के दौरान लक्षण वापस आ सकते हैं।

वैरीकोज वेन्स का पूर्वानुमान

अपस्फीत नसें एक दीर्घकालिक समस्या है, लेकिन उनके लक्षण अक्सर पैर को ऊपर उठाकर रखकर और उपचारात्मक मोजे के साथ नियंत्रित किया जा सकता है। सर्जिकल प्रक्रियाओं से अपस्फीत नसों को स्थायी रूप से हटा सकते हैं, लेकिन वे निशान छोड़ जाते हैं और नए अपस्फीत नसों को बनाने से रोक नहीं सकते हैं।

चिकित्सा

अपस्फीत नसों के हल्के लक्षणों पर ज्यादातर लोगों पर किए जाने वाले उपचारों में शामिल हैं-

- पैर को दिन में कई बार ऊपर उठाने से
- योग्य दबाव के मोजे पहनें
- त्वचा के करीब की अपस्फीत नसों के लिए त्वचा विशेषज्ञ सेलेरोथेरेपी का सुझाव देंगे। जिसमें एक बेचैन करने वाला रसायन का इंजेक्शन प्रभावित नस में देंगे, जिससे नस क्षतिग्रस्त होकर बंद होगी। सेलेरोथेरेपी से इलाज की गई नस का बहुत ज्यादा टूटने का खतरा हो सकता है, जिससे त्वचा अल्सर हो सकता है।
- नसों में गंभीर रुकावट के साथ लोगों में विशेष रूप से घनास्त्रता या त्वचा अल्सर की बार-बार समस्या से लोगों को नसों को अनावृत या बांधने की प्रक्रिया आवश्यक हो सकती है। इस सर्जरी में असामान्य नस को बांधकर और त्वचा में छोटी कटौती से शरीर से बाहर खींच लिया जाता है। दूसरी प्रकार की एक सर्जरी जिसको एंबुलेटरी फ्लेबेक्टॉमी कहते हैं, इसमें भी त्वचा पर छोटे चीरों के माध्यम से नसों को हटाते हैं, लेकिन यह कम आक्रामक है, पुरानी अनावृत्त और बांधने की प्रक्रिया से।

वैरीकोज वेन्स का निदान

आपके डॉक्टर आपके लक्षण और अपस्फित नसों के परिवार में इतिहास के बारे में पूछेंगे या वह आपकी जीवन शैली, विशेष रूप आप कितने समय खड़े रहते हैं, ये पूछेंगे। महिलाओं में चिकित्सक गर्भावस्था के इतिहास और मोजे या स्टॉकिंग्स पहनने पर इलास्टिक से पैर पर जकड़न के बारे में पूछेंगे। डॉक्टर एक सरल शारीरिक परीक्षा के साथ अपस्फीत नसों का निदान कर सकते हैं।

डॉक्टर को कब संपर्क करें

अपने चिकित्सक को फोन करें, जब भी आप को दर्द, सूजन, त्वचा अल्सर या पैर के किसी क्षेत्र में अस्पष्टीकृत संवेदना लगे तो आप डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं। एक नई सूजन विशेष रूप से सिर्फ एक पैर में, खून के थक्के के कारण जिस पर तत्काल उपचार की आवश्यकता है। यदि आपको अपस्फित नसें है, तो डॉक्टर को तुरंत फोन करें। अगर अपस्फित नस के पास एक अल्सर या दर्दनाक काले और नीले क्षेत्र विकसित है। यदि आपने एक अपस्फित नस की त्वचा को काटा है और आपको खून के बहाव को नियंत्रित करने में मुश्किल हो रही है तो आप डॉक्टर के पास जाकर इलाज करा सकते हैं।

रोग के लक्षण

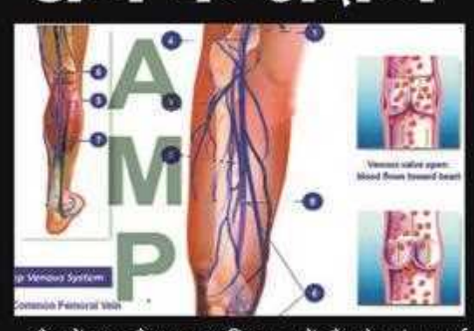

पैर में आमतौर पर अपस्फित नसें पैर के अंदर पाई जाती हैं, एड़ियों में और पिंडली के पीछे भी नसों का दबाव भड़ता है। प्रभावित नसें नीली, सूजी हुई, ऐंठन युक्त या मरोड़ी दिखती है। कुछ लोगों में अपस्फित नसों के कारण कोई भी लक्षण नहीं दिखते।

- पैरों में एक सुस्त दर्द
- दबाव या पैरों में भारीपन
- पैर और एड़ियों में सूजन
- क्षतिग्रस्त नसों के त्वचा के पास खुजली

लंबे समय की रुकावट से नसों का रक्त प्रवाह धीमा होने से स्थानीयकृत त्वचा में परिवर्तन और अधिक गंभीर मामलों में सूखापन एक खरोंच या भूरा रंग और घाव हो सकते हैं। धीमी गति से रक्त के प्रवाह भी प्रभावित होकर नसों के अंदर रक्त थक्का हो सकता है। इस हालत को घनास्त्रता कहते हैं। सामान्यतः अपस्फित नसों के लक्षण दिन के अंत में और बदतर हो सकते हैं, विशेष रूप से लंबे समय तक खड़े रहने के अवधि बाद यह समस्या उत्पन्न होती है। कुछ औरतों को उनके लक्षण माहवारी से पहले दिनों के दौरान और गर्भावस्था के दौरान अधिक दिखते हैं।

सम्पादक, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक नेहा वालिया द्वारा साई प्रिंटिंग प्रैस, बी-868, न्यू अशोक नगर, दिल्ली-110096 से मुद्रित एवं वालिया सदन वार्ड संख्या 10, लोहारू, भिवानी (हरियाणा) 127201 से प्रकाशित। समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों के लिए पीआरबी एट के तहत उत्तरदायी। फोनः01252-259260, 9255149495, ईमेलः haryanavatika@gmail.com हरियाणा वाटिकाः- प्रेरणास्त्रोत- स्व. डॉ. एल सी वालिया, समूह संपादक एवं संरक्षक- श्रीमति सरला वालिया, संपादक- श्रीमति नेहा वालिया, कार्यकारी संपादक- श्रीमति रितू वालिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।